mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-237 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
27 अगस्त 2024 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

विनेश फोगाट कांग्रेस ...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता रेप-मर्डर केस, आरोपी संजय ने जुर्म कबूला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय ने पॉलीग्राफ टेस्ट में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। संजय ने कहा कि उसने रेप के बाद ट्रेनी डॉक्टर का मर्डर किया था। घटना को अंजाम देने से पहले वो रेड लाइट एरिया गया था। रास्ते में भी एक

लड़की को छेड़ा और गर्लफ्रेंड से न्यूड तस्वीरें मांगी थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, संजय ने एक दिन पहले 25 अगस्त को पॉलीग्राफ टेस्ट में ये सारी बातें कही हैं। पुलिस कस्टडी में भी संजय ने रेप और मर्डर की बात स्वीकार की थी। संजय का यह कबूलनामा मर्डर और रेप के 18 दिन बाद आया है। 8 और 9 अगस्त की रात आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में लड़की की अर्धनग्न बॉडी मिली थी।

भाजपा बोली-

कंगना को किसान आंदोलन पर बोलने की इजाजत नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने एक्ट्रेस-सांसद कंगना रनोट के उस बयान से खुद को अलग कर लिया है, जिसमें उन्होंने किसान आंदोलन

के दौरान रेप-मर्डर होने की बात कही थी। मीडिया ने सोमवार को भाजपा की प्रेस रिलीज जारी की। इसमें लिखा है- पार्टी कंगना के बयान से असहमत है। उन्हें पार्टी के नीतिगत मुद्दों पर बोलने की इजाजत नहीं है। वे पार्टी की तरफ से बयान देने के लिए अधिकृत भी नहीं हैं। भाजपा ने कंगना को हिदायत दी है कि वे इस मुद्दे पर आगे कोई बयान न दें। पार्टी स्टेटमेंट में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के सिद्धांत पर चलने की बात कही गई है।

राजस्थान और मध्यप्रदेश में बनेगा श्रीकृष्ण गमन पथ

डीग (भरतपुर) (एजेंसी)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीकृष्ण गमन पथ बनाने की घोषणा की है। भगवान कृष्ण की जन्म स्थली से लेकर उनके शिक्षा ग्रहण करने के स्थान को एक धार्मिक सर्किट के जरिए जोड़ा जाएगा। यह काम

राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार मिलकर करेगी। भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान कृष्ण के गमन पथ को जल्दी ही तीर्थ स्थलों के रूप में विकसित किया जाएगा। मध्यप्रदेश के उज्जैन के सांदीपनि में भगवान कृष्ण ने शिक्षा हासिल की है। जानापाव (एमपी) में भगवान परशुराम ने उन्हें सुदर्शन चक्र दिया। धार के पास अमझेरा में भगवान का रुक्मिणी हरण को लेकर युद्ध हुआ। ऐसे स्थलों को सरकार पर्यटन स्थल बनाने जा रही है।

देश में मानसून का कहर

- अहमदाबाद में 12 घंटे में 6 इंच बारिश
- सड़कें जलमग्न, कई ट्रेनें हुई प्रभावित, स्कूलों की छुट्टी
- महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी का 35 फीट ऊंचा स्टैच्यू गिरा; म.प्र.-राजस्थान में भारी बारिश का अलर्ट
- मोरबी में ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में गिरी, एनडीआरएफ ने 10 को बचाया, 7 की तलाश जारी

नईदिल्ली/अहमबादा/महाराष्ट्र/जयपुर (एजेंसी)। देश के ज्यादातर राज्यों में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र में भारी बारिश की चेतावनी दी है। गुजरात के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। कई सड़के जलमग्न हो गई हैं, ट्रेन सेवा प्रभावित हैं, स्कूलों की छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। सोमवार को तेज बारिश का सबसे ज्यादा असर अहमदाबाद में दिखाई दिया। यहां सुबह करीब 3 बजे से बारिश हो रही है।मोरबी में तेज बारिश के कारण धावना गांव में एक रपटे पर पानी आ गया। सोमवार सुबह यहां से गुजर रही टैक्टर-ट्रॉली नदी में जा गिरी। इसमें 17 लोग सवार थे। सभी बह गए।एनडीआरएफ ने 10 लोगों को बचाया। 7 को बचाने के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस ने बताया कि घटना सुबह करीब 3.45 बजे हुई। 4-15 बजे से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया था।

म.प्र.-राजस्थान में 9 लोग बहे, सभी का रेस्क्यू

मध्य प्रदेश में रविवार (25 अगस्त) को 21 जिलों में बारिश हुई। इससे नदियां-तालाब उफान पर हैं। रतलाम में ट्रैक के नीचे की गिट्टी बहने के कारण 15 ट्रेनें प्रभावित हुई। रायसेन में नदी पार कर रहे 3 युवक बह गए। राजगढ़ में भी 2 लोग बहे। धार की चिड़ी नदी में एक बच्चा बह गया। गुना में 8 लोग घोड़ापछाड़ नदी के बीच में फंसे। हालांकि, सभी का रेस्क्यू कर लिया गया। राजस्थान के करौली में रविवार शाम को गंभीर नदी में तीन युवक बह गए। नदी के तेज बहाव से बचने के लिए तीनों ने एक पेड़ पर चढ़कर जान बचाई। देर रात तक उन्हें रेस्क्यू करने की कोशिश की गई।

बिहार में गंगा उफान पर- बिहार के कहलगांव में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। मुंगेर में वॉर्निंग लेवल से ऊपर ही बह रही है।

चंपई सोरेन जल्द ही भाजपा में होंगे शामिल, शाह से होगी फाइनल बात

तो झारखंड में चंपई सोरेन होंगे भाजपा के सीएम फेस

सरायकेला (एजेंसी)। पूरे देश की नजर कोल्हान टाइगर चंपई सोरेन पर टिकी हुई है, लेकिन अब तक न ही उन्होंने पूरी बात साफ की और ना ही भाजपा के वरीय नेताओं ने, जबकि पूरे देश में इस बात की चर्चा होने लगी है कि पूर्व मंत्री चंपई सोरेन भाजपा में शामिल होने वाले हैं। सूत्रों की मानें तो अब और इंतजार झारखंडवासियों को नहीं करना होगा, क्योंकि जल्द ही चंपई सोरेन भाजपा में शामिल होने वाले हैं।

चंपई ने की बीजेपी नेताओं से बातचीत- सोमवार को दिल्ली पहुंचे चंपई सोरेन ने भाजपा के कई वरीय नेताओं से बातचीत की और उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए हरी झंडी मिल गई है, लेकिन सिर्फ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनकी बात रात में होने वाली है। जहां पूरी बातों पर अंतिम विराम लगने की उम्मीद है।

कोलकाता आरजी मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष पर सीबीआई का शिकंजा

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष का नाम एफआईआर में दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक एजेंसी ने उनके कार्यकाल के

दौरान संस्थान में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में एफआईआर दर्ज की है। जिसमें आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) को धारा 420 आईपीसी (धोखाधड़ी और बेईमानी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 7 के साथ लगाया है, जो एक लोक सेवक की तरफ से अवैध रूप से रिश्वत लेने को दिखाता है।

देशभर में जन्माष्टमी की रही धूम

कृष्ण मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मथुरा समेत सभी कृष्ण मंदिरों में देर तक थी भक्तों का था तांता

नईदिल्ली/मथुरा(एजेंसी)। सोमवार को पूरा देश भगवान कृष्ण के जन्म के उत्सव में डूबा हुआ था। कृष्ण के जन्म उत्सव के अवसर पर देशभर के सभी मंदिरों को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया गया था। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सोमवार को भगवान कृष्ण का जन्मदिन पूरे धूमधाम से मनाने के लिए देश भर के विभिन्न मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। सोमवार को राधा कृष्ण परिसर के सभी मंदिरों में घंटियां, मृदंग और शंख की ध्वनि गूंज उठी थी। भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा के मंदिर भी कृष्ण भक्तों से भरे हुए थे। द्वारका में भी भगवान के भक्त पूजा-पाठ के लिए पहुंचे।

अहमदाबाद के इस्कॉन मंदिर में उमड़े भक्त- वहीं, कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर अहमदाबाद के इस्कॉन मंदिर में भगवान कृष्ण के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त उमड़े थे। इसके अलावा, ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव सोमवार से विष्णुस्वामी जयंती एवं गोस्वामी रूपानंद के जन्मोत्सव के साथ शुरू होगा।

बिरला मंदिरों में थी काफी भीड़

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, जिसे बिरला मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में सुबह की आरती की गई।

- **मथुरा में रात 12 बजे हुआ कान्हा का प्राकट्य, हुई महाआरती...** मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का उल्लास पूरे ब्रज में हिलोर ले रहा था। कान्हा के स्वागत को ब्रज स्वर्ग सा सजा गया था। सोमवार मध्यरात्रि 12 बजे घर-घर कन्हाई जन्म लिया। हर घर में मंगल बधाई गीत गूंज रहे थे।

- कृष्ण जन्माष्टमी पर मणिमहेश डल झील में 1 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

श्री मणिमहेश यात्रा के कृष्ण जन्माष्टमी के छोटे स्नान के लिए लगभग 1 लाख से अधिक लोगों ने मणिमहेश डल झील पहुंचे। भारी बारिश व कड़ाके की ठंड के बाद भी श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई। ठंड के चलते जो यात्री डल झील पहुंच गए थे वह वापस लौटना शुरू हो गए। इस बार की मणिमहेश यात्रा में प्रशासन ने पंजीकरण की व्यवस्था की हुई है जिससे यात्रियों की सही संख्या का पता चल रहा है।

सीएम योगी ने चेताया, कहा-

बांग्लादेश से सीख लें... बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे

आगरा (एजेंसी)। राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं। राष्ट्र तभी सशक्त होगा, जब हम एक होंगे। बांग्लादेश में देख रहे हैं न, वो गलतियां यहां नहीं होनी चाहिए...बंटेंगे तो कटेंगे। एक रहेंगे-नेक रहेंगे। सुरक्षित रहेंगे और समृद्धि की पराकाष्ठा तक पहुंचेंगे। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आगरा में यह बात कही। वे यहां पुरानी मंडी चौराहे पर राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि 10 साल से यह प्रतिमा मेरा इंतजार कर रही थी। मेरे ऊपर उनकी कृपा हो गई। मुझे यहां आने का अवसर भी तब मिला, जब कृष्ण का जन्म हो रहा है। योगी ने राधे-राधे कहकर जनसभा में मौजूद लोगों को कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

पूजनीय हैं राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर

योगी ने कहा- बहुत सारे लोगों ने मुगलों और अंग्रेजों के सामने समर्पण कर दिया था, लेकिन आज हम राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर जी का नाम ले रहे हैं। एक बार राजस्थान जाइए, देखिए उनकी पूजा होती है। जोधपुर में श्रद्धा का भाव देखने को मिलता है।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पांच नए जिले बनेंगे

जिलों की संख्या बढ़कर 7 होगी

- पीएम मोदी बोले- अब विकास पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा

नईदिल्ली/लेह (एजेंसी)। सरकार ने 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को दो अलग राज्य बना दिया गया था। केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण लद्दाख केंद्रीय गृह मंत्रालय के सीधे नियंत्रण में आता है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार (26 अगस्त) को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में 5 नए जिले बनाने की घोषणा की। नए जिलों का नाम जांस्कर, द्रास, शाम, नुब्रा और चांगथांग होगा।नए जिलों की घोषणा से पहले लद्दाख में केवल दो जिले थे, लेह और कारगिल। अब इनकी संख्या बढ़कर 7 हो जाएगी। अमित शाह ने एक्स पर लिखा- मोदी सरकार ने लद्दाख में नए 5 जिले बनाने का फैसला लिया है। सरकार हर

गली-मोहल्ले में शासन को मजबूत करके लोगों के लिए मौके बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम बोले- सेवाएं और अवसर लोगों के पास आएंगे- पीएम मोदी ने इस फैसले की सराहना की और कहा कि यह बेहतर शासन की दिशा में एक कदम है। ङ्क पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा- लद्दाख में 5 नए जिले बनना बेहतर शासन और समृद्धि की दिशा में एक कदम है। जांस्कर, द्रास, शाम, नुब्रा और चांगथांग पर अब ज्यादा ध्यान दिया जाएगा, जिससे सेवाएं और अवसर लोगों के और भी करीब आएंगे। वहां के लोगों को बधाई।

अभी तो उद्घाटन भी नहीं हुआ, टूट गया छपरा-हाजीपुर पुल, हादसा रोकने के लिए पुलिस कर रही पहरेदारी

पटना/हाजीपुर(एजेंसी)। बिहार के वैशाली में ह्या-31 फोरलेन पर बना एक पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। इस घटना में छपरा से हाजीपुर आने वाला लेन प्रभावित हुआ है। पुल का एक हिस्सा लगभग एक मीटर तक धंस गया, जिसके कारण आवागमन बाधित हो गया है। हैरानी की बात यह है कि यह पुल अभी तक उद्घाटन से पहले ही यातायात के लिए खोल दिया गया था।

उद्घाटन से पहले टूटा छपरा-हाजीपुर पुल- यह घटना वैशाली में एनएच-31 फोरलेन पर हुई, जहां छपरा से हाजीपुर आने वाला एक लेन वाला पुल लगभग एक मीटर तक धंस गया। दुर्घटना के बाद, लगभग एक घंटे तक क्षतिग्रस्त पुल से वाहनों की आवाजाही जारी रही। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस पुल का उद्घाटन नहीं हुआ था और 6 महीने पहले ही इसे बिना औपचारिक उद्घाटन के यातायात के लिए खोल दिया गया था। ट्रैफिक पुलिस ने नो एंट्री का बैरिकेड लगाकर रास्ते को बंद कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर चुनाव के लिए भाजपा की सूची पर कलह, अब तक 16 उम्मीदवारों का ऐलान

जम्मू भाजपा दफ्तर में टिकट कटने वालों का हंगामा,5 घंटे में भाजपा की 3 लिस्ट

नईदिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने सोमवार को कैंडिडेट्स की 3 लिस्ट जारी की। पहली लिस्ट सुबह 10 बजे आई। इसमें 3 फेज के 44 कैंडिडेट्स के नाम थे, लेकिन इसे थोड़ी ही देर में डिलीट कर दिया।

इस लिस्ट के आते ही जम्मू भाजपा दफ्तर में कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन शुरू

हो गया था। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पार्टी ने पैराशूट प्रत्याशी उतार दिए हैं। इसके बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना अपने केबिन में चले गए और दरवाजा बंद कर लिया। थोड़ी देर बाद बाहर निकले और कहा- परेशान ना हों, सभी से पर्सनली बात करूंगा।

बात हाईकमान तक पहुंची। पहली लिस्ट जारी होने के 2 घंटे बाद 12 बजे एक और लिस्ट आई, इसमें सिर्फ फर्स्ट फेज के 15 कैंडिडेट्स के नाम थे।

लिस्ट और हंगामे से जुड़ी 2 और बातें

पहली लिस्ट को पार्टी प्रवक्ता ने टाइपिंग एरर बताया था, पहली लिस्ट जारी होने के बाद डिलीट कर दी गई थी। मीडिया ने इस पर जम्मू-कश्मीर के मीडिया प्रभारी सज्जाद से सवाल किया। उन्होंने बताया कि 44 उम्मीदवारों की सूची टाइपिंग एरर के कारण रद्द की गई है। ओमी खजूरिया को टिकट नहीं मिला, सपोर्ट बोले- इस्तीफा देंगे, जम्मू दफ्तर में ओमी खजूरिया के नाम के नारे लगे, जिनका नाम पहली लिस्ट में नहीं था। वे जम्मू उत्तर से चुनाव लड़ते आए हैं, यहां कांग्रेस से भाजपा में आए शाम लाल शर्मा को टिकट दिया गया था। इसी लिस्ट को पार्टी ने रोक दिया है।

संक्षिप्त समाचार

वर्षा ऋतु में पशुपालक करें पशुओं की करें देखभाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बदलते मौसम में जहाँ मानव जीवन के स्वास्थ्य सुरक्षा पर फोकस जरूरी है, वहीं पशुधन की भी वर्षा ऋतु में देखभाल बहुत आवश्यक है। पशुपालन विभाग की ओर से विशेष जागरूकता अभियान चलाकर पशुपालकों को उनके पशुओं की देखभाल करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस मौसम में वातावरण में आई नमी में बढोतरी के कारण पशुओं पर नकारात्मक प्रभाव पडता है, जिससे पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, जीवाणु, विषाणु फफूंद जनित एवं पशु परजीवियों जैसे जूं, मक्खी व मच्छरों से होने वाली सभी प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक ने बताया कि विभाग पशुपालकों को पशुओं की देखभाल के लिए जागरुक कर रहा है। बरसात के मौसम में पशुपालकों को पशुओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पशुओं को सूखे स्थान पर रखें जहां पर हवा व धूप की मात्रा पर्याप्त में हो। साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखें। पशुओं को यदि पक्के फर्श पर रखा जाता है तो उस स्थान पर सप्ताह में कम से कम दो बार कीटाणुनाशक दवाई से सफाई करें। परजीवियों से बचाव के लिए पशुपालक पशु बाड़े में मच्छरदानी का प्रयोग करें तथा समय समय पर नजदीकी पशु चिकित्सक से परामर्श करके परजीवियों से बचाव के लिए दवाईयां व जानकारी प्राप्त करें। पशुओं के खुरों को समय-समय पर साफ करते रहें। क्योंकि इस मौसम में फफूंद को बढ़ावा मिलता है। पशुओं को समय पर पेट के कीड़ों की दवाई दें व नियमित टीकाकरण करायें। उन्होने सलाह दी है कि अगर किसी भी बीमारी का लक्षण पशुओं में दिखाई दे तो तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय से सम्पर्क करें तथा पशु चिकित्सक की सलाह से उचित उपचार करवाएं।

विद्युत चोरी के मामले में 2 साल के कठोर कारावास 87 हजार रुपये का अर्थदंड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जिला कोर्ट शिवपुरी के विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम ए.के. गुप्ता ने विद्युत चोरी के मामले में आरोपी राजाराम रावत को दोषी करार देते हुए हुए 2 साल के कठोर कारावास एवं 87 हजार रुपए का अर्थदंड की सजा दी है। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड शिवपुरी के उप महाप्रबंधक ने बताया कि अभियोजन के मुताबिक घटना 11 जनवरी 2019 की है, चेकिंग के दौरान कनिष्ठ यंत्री एम.एस. कुरैशी एवं लाइन हेल्पर दामोदर यादव व मीटर रीडर कपिल उपाध्याय द्वारा वितरण केंद्र बडौदी संभाग प्रथम शिवपुरी के अंतर्गत आने वाले अभियुक्त राजाराम रावत पुत्र मुरारी रावत निवासी ग्राम कुड़ावदा थाना सिरसौद के परिसर में निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान विद्युत कनेक्शन के बिना सीधे विद्युत लाइन से तार जोड़कर धारा 135 के तहत विद्युत ऊर्जा की चोरी का अपराध किया। कोर्ट ने उक्त मामले में सुनवाई करने के बाद राजा राम रावत को दोषी मानते हुए 2 साल के कठोर कारावास से दंडित करते हुए 87 हजार रुपये अर्थ दंड की सजा निर्धारित की है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इस निर्णय के परिप्रेक्ष्य में सभी आम लोगों से आग्रह किया गया है कि वे वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें। अनाधिकृत या अवैध रूप से बिजली चोरी दण्डनीय अपराध है तथा इसमें जुर्माना और कारावास का भी प्रावधान है।

रोजगार मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बने

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य और केन्द्र सरकार की योजनाओं का मकसद लोगों को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना है। मंडला जिले के कारीकोन महाराजपुर के रहने वाले करण गोठिया ने प्रधानमंत्री सृजन योजना का लाभ लेकर इस उद्देश्य को पूरा किया है। आज वे सरकारी योजना से मिली मदद से सफलता के साथ कार वॉशिंग सेंटर चला रहे हैं। करण गोठिया बताते हैं कि पहले वे अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिये किराना दुकान में नौकरी किया करते थे। जिससे इतनी आमदनी नहीं हो पाती थी कि वे अपने परिवार का खर्च अच्छी तरह से चला सकें। इन तकलीफों को देखते हुए उन्होंने कार वॉशिंग सेंटर चलाने का मन बनाया। उन्हें इस कार्य का पहले से अनुभव था। इसके लिये उन्होंने जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र में सम्पर्क किया। कार्यालय से उन्हें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना की जानकारी मिली। उनकी रुचि को देखते हुए उन्हें बैंक ऑफ इण्डिया से 3 लाख 20 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। करण बताते हैं कि ऋण मिलने के बाद उन्होंने कार वॉशिंग सेंटर मण्डला शुरू किया। उनकी मेहनत से कार वॉशिंग सेंटर अच्छा चल रहा है। वे परिवार का खर्च निकालने के बाद प्रतिमाह 6 हजार रुपये की किश्त भी चुका रहे हैं। करण गर्व से बताते हैं कि उन्होंने अपने सेंटर में अन्य 2 लोगों को रोजगार भी दिया है। सरकार से मिली मदद से आज वे और उनका परिवार दोनों खुश हैं। उनके सेंटर से अन्य युवकों को भी स्वयं का रोजगार शुरू करने की प्रेरणा मिल रही है।

भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों से हमें सीखना चाहिए - गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शो से हमे सीखना चाहिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने सोमवार को जन्माष्टमी पर्व पर भेल स्थित शासकीय महात्मा गांधी सीएम राइज स्कूल में उक्त आशय के विचार व्यक्त किए। मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि जन्माष्टमी का पर्व मनाने बच्चे स्कूल में उपस्थित हुए हैं। बच्चे भगवान का साक्षात रूप होते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हम सभी के लिए अनुकरणीय है। यह पावन पर्व सभी के जीवन में मंगल करे, यही प्रार्थना है। मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण, भगवान विष्णु के 8वें अवतार हैं। उन्होंने कहा कि मित्रता निभाना सीखना है तो भगवान श्रीकृष्ण से सीखो। सच्चे रूप में सामाजिक संरचना बनाने का काम भगवान श्रीकृष्ण ने किया है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर उन्होंने प्रदेश एवं देशवासियों को शुभकामनाएं दी।

ठाकरे की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने सोमवार को सुबह कुशाभाऊ ठाकरे सभागार के प्रांगण में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष एवं पित्र पुरूष स्व. कुशाभाऊ ठाकरे की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर चरणों में नमन किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि श्रद्धेय ठाकरे जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र एवं समाज के लिए समर्पित रहा। आप सदैव प्रेरणा स्त्रोत बनकर हमारा पथ आलोकित करते रहेंगे।

नर बाघ शावक को पेंच टाइगर रिजर्व से वन विहार लाया गया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पेंच टाइगर रिर्जव सिवनी से 24 अगस्त 2024 को एक नर बाघ शावक उम्र 17-18 माह को वन विहार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी के निर्देश पर वन विहार भोपाल लाया गया है। उल्लेखनीय है कि बाघ शावक पेंच टाइगर रिजर्व के कर्माझिरी परिक्षेत्र में दिखने वाली बाघिन पीएन 04 के तीन शावकों में से एक है। जिसे कमजोर होने के कारण बाघिन मां बार-बार खुद से अलग कर देती थी। जिसका इलाज पेंच टाइगर रिजर्व (सिवनी) के वरिष्ठ वन्य जीव चिकित्सक श्री अखिलेश मिश्रा द्वारा तीन अवसरों पर किया गया। विगत दिनों यह शावक कमजोर होने एवं मां द्वारा अलग कर दिए जाने पर भोजन की तलाश में वन क्षेत्र से बाहर आ गया था। शिकार करने में असमर्थ होने के कारण एवं मानव जीवन की सुरक्षा के लिये बाघ शावक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल लाने का निर्णय लिया गया। वर्तमान में शावक बाहय रूप से कमजोर प्रतीत होता है। बाघ शावक ने आज भोजन किया एवं विष्ठा भी की है। शीघ्र ही उसका विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण वन विहार के वरिष्ठ पशु चिकित्सक द्वारा किया जाएगा।

कुशवाहा समाज ने हमेशा कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई है-खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि भगवान लवकुश का भव्य मंदिर जैसीनगर में बना हुआ है और आप सभी की इतनी अधिक संख्या में उपस्थिति बता रही है कि समाज अब पहले की अपेक्षा जागरूक हो चुका है। श्री राजपूत ने कहा कि किसी भी समाज के विकास के लिए शिक्षा आवश्यक है। कुशवाहा समाज ने अपने बच्चों को शिक्षित बनाया है और कुरूतियों के खिलाफ कुशवाहा समाज ने आवाज उठायी है । जिसका परिणाम है कि कुशवाहा समाज के लोग आज बडे-बडे पदों पर आसीन है एवं समाज एवं देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मंत्री श्री राजपूत ने यह बात सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जैसीनगर में बड़े महादेव मंदिर के पास लवकुश भगवान की जयंती के अवसर पर कुशवाहा समाज द्वारा

आयोजित भव्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मंत्री श्री राजपूत ने समाजजनों का स्वागत एवं अभिवांदन करते हुए कहा कि हमने सुरखी विधानसभा क्षेत्र में कुशवाहा समाज के लिए अनेकों कार्य किये हैं। आप सभी के आर्शिवाद एवं सहयोग से भगवान लवकुश का भव्य मंदिर बना है, साथ ही अब 50 लाख की लागत से आप लोगों के लिए कुशवाहा समाज का सर्वसुविधायुक्त भवन बनाया जायेगा। इसमें कुशवाहा समाज के लोगों के सामजिक कार्यक्रम, विवाह सम्मेलन आदि हो सकेंगे। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर वर्ग के लिए योजनाएं बनायी है। इसमें कुशवाहा समाज के लिए लाभ पहुंचाने खेती संबंधी अनेकों योजनाएं है। कुशवाहा समाज को उसका लाभ मिल सके।

स्कूल शिक्षा विभाग में अतिशेष शिक्षकों की पद-स्थापना के लिये होगी काउंसलिंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा विभाग में अतिशेष शिक्षकों की कमी वाली शालाओं में पद-स्थापना के संबंध में काउंसलिंग होगी। काउंसलिंग की कार्यवाही 28 अगस्त, 2024 को जिला शिक्षाधिकारी कार्यालय या उनके चिन्हित काउंसलिंग स्थल पर प्रात 10 बजे से शुरू होगी। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय में जिला शिक्षाधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं। विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में संख्या मान और विषय मान के हिसाब से अतिशेष शिक्षकों की स्थिति एजुकेशन पोर्टल पर प्रदर्शित की गई है। जिलों में वर्ग-3 श्रेणी के समस्त रिक्त पदों की सूची को प्रमाणित करने के बाद काउंसलिंग स्थल के सूचना-पटल पर चस्पा किये जाने के लिये कहा गया है। इस व्यवस्था से समस्त अतिशेष शिक्षक उस सूची का सुविधानुसार अवलोकन कर सकेंगे। जिला शिक्षाधिकारियों को काउंसलिंग के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये हैं। प्रत्येक जिले में काउंसलिंग प्रक्रिया के पर्यवेक्षण, अनुवीक्षण तथा समन्वय के लिये एक अधिकारी काउंसलिंग के प्रारंभ से अंत तक काउंसलिंग स्थल पर उपस्थित रहेगा। काउंसलिंग प्रकिया के पारदर्शिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पर्यवेक्षक को दी गई है। राज्य स्तर से समस्त कार्यवाही का पर्यवेक्षण राज्य स्तरीय काउंसलिंग समिति द्वारा किया जायेगा। राज्य समिति संचालनालय स्तर से 2द्धड्ढद्द× के माध्यम से समस्त जिलों से ऑनलाइन जुड़ी रहेगी। काउंसलिंग में शामिल अतिशेष शिक्षकों के पद-स्थापना संबंधी आदेश आयुक्त लोक शिक्षण द्वारा ऑनलाइन जारी किये जायेंगे। जिले के ऐसे अतिशेष शिक्षक, जिनके द्वारा उक्त काउंसलिंग में भाग नहीं लिया जायेगा अथवा उपलब्ध रिक्त स्थानों में से किसी भी रिक्त स्थान पर चयन नहीं किया जायेगा।

छात्रावासों में 9 सितंबर तक चलेंगी डेंगू नियंत्रण के लिए गतिविधियां

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मौसम में बदलाब के कारण रुक रुक कर बारिश हो रही है ऐसे में लारवा पनपने की संभावना ज्यादा रहती है इसी क्रम में राष्ट्रीय वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत डेंगू नियंत्रण के लिए शहर में नियमित रूप से जनजागरुकता गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी के निर्देशन में एवं जिला मलेरिया अधिकारी श्री अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन में जिला स्वास्थ्य समिति भोपाल द्वारा शहर के छात्रावास, विद्यालय में हॉस्टल अधीक्षक एवं शिक्षकों के सहयोग से मच्छर जनित रोगों के उन्मूलन के लिए डेंगू मलेरिया को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किए जा रहे है जिसमें सभी बच्चों सहित विद्यालय के हॉस्टल अधीक्षकों एवं शिक्षकों द्वारा भाग लिया गया। इस दौरान बच्चो से कहा कि डेंगू का मच्छर दिन के समय मे काटता है अत: ज्यादा जरूरत है कि हम दिन में मच्छर से बचे। साथ ही बताया कि आसपास जल संग्रह ना होने दे और घर मे रखे हुए पानी की नियमित निकाशी करे, हर हफ्ते घर मे रखे हुये पानी को बदलते रहना चाहिए, छत पर रखी पानी की टंकियों को ढककर रखें जिससे की हम मलेरिया एवं डेंगू जैसी खतरनाक बीमारियों से बचे। साथ- साथ डेंगू एवं मलेरिया के कारण, लक्षण एवं बचाव के बारे में जाना। मलेरिया टीम द्वारा विद्यालय, छात्रावास के विधार्थियों से कहा कि नियमित साफ- सफाई रखना है, डेंगू का लार्वा नही पनपने देना है, फ्रिज का ट्रे जरूर साफ करना है, कूलर को साफ करके सुखाकर रखे। डेंगू मच्छर के लार्वा के अंडे 1 साल तक बिना पानी के नमी वाले स्थानों पर जीवित रह सकते है एवं पुन: पानी के संपर्क में आने पर लार्वा में परिवर्तित हो जाते है। इस दौरान मलेरिया टीम द्वारा अन्य क्षेत्रो मे भ्रमण कर लार्वा सर्वे किया एवं लोगों को मॉड्यूल के माध्यम से डेंगू एवं मलेरिया के बारे में समझाया। साथ ही लोगों ने खुद प्रेरित होकर अपने घरों से सात दिवस से अधिक दिन का पानी खाली किया। नियमित रूप से सभी जोन में नगर निगम, मलेरिया एवं एंबेड टीम द्वारा नियमित गतिविधियां आयोजित की गई है। सभी उपस्थित छात्रों से कहा कि डेंगू का मच्छर प्राय: दिन में काटता है। अत: मच्छररोधी साधन लगाए एवम अपने शरीर को ढक कर रखे, फुल आस्तीन के कपड़े जरूर पहने। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग अवश्य करे। यह अभियान 9 सितंबर तक नियमित रूप से जारी रहेगा।

महिला डॉक्टरों और नर्सों ने मंत्री सारंग को बांधी राखी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नरेला रक्षाबंधन महोत्सव सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 36,70 व 79 में कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए। रक्षाबंधन महोत्सव में महिला डॉक्टरों और नर्सों ने मंत्री श्री सारंग को रक्षा सूत्र बांधे। उन्होंने पश्चिम बंगाल, कोलकाता में आर जी मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के रेप व हत्या के मामले में हस्ताक्षर कर ज्ञापन भी सौंपा।

भारी बारिश में भी 40 हजार 328 बहनों ने मंत्री श्री सारंग को रक्षासूत्र बांधे। नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 79 करोंद में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला डॉक्टर और नर्स मंत्री श्री सारंग को रक्षासूत्र बांधने पहुंची। यहां उन्होंने मंत्री श्री सारंग की कलाई पर राखी बांधने के साथ ही कोलकाता के आर जी मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और हत्या के आरोपियों को फांसी की सजा दिए जाने के लिए ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। उन्होंने कहा कि महिला अपराध के मामले में इस प्रकार के दोषियों को कठोरतम सजा देकर समाज में संदेश दिया जाना चाहिए। मंत्री श्री सारंग ने नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 70 में रक्षाबंधन महोत्सव में सम्मिलित होने के पूर्व वार्ड कार्यालय प्रांगण में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के %एक पेड़ मां के नाम% अभियान के तहत पौध-रोपण करते हुए सभी से एक पौधा अपनी मां के नाम लगाने की अपील की। उन्होंने प्रकृति संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की बात भी कही। नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 36, 70 व 79 में भारी बारिश के बावजूद बहनों का उत्साह देखने को मिला। यहां बहनो ने बड़ी संख्या में मंत्री श्री सारंग को रक्षासूत्र बांधे। मंत्री श्री सारंग ने बहनों को उपहार स्वरूप बटुआ, आरती संग्रह और एक पौधा दिया। हज़ारों की संख्या में पहुंची बहनों के लिये मंत्री श्री सारंग ने %एक हज़ारों में मेरी बहना है% गीत भी गाया। इस अवसर पर श्री सारंग के सरल व सहज स्वभाव को देखकर बहनें भावविभोर हो गई। कार्यकम में मथुरा के कलाकारों ने राधा कृष्ण नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति भी दी। बहनों ने मंत्री श्री सारंग पर पुष्पवर्षा कर उनका स्नेहिल स्वागत किया। इस अवसर पर जमकर आतिशबाजी भी की गई। वार्ड 70 में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्तिक वाचन भी किया गया।

जुगलकिशोर मंदिर में मथुरा की तर्ज पर मनेगी जनमाष्टमी

राधा कृष्ण पहनेंगे हीरा जड़ित करोड़ों के गहने, जुगलकिशोर सरकार की मुरली है अनमोल

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। मंदिरों की नगरी पन्ना के श्री जुगलकिशोर मंदिर में सोमवार को जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाएगा। ठीक 12 बजे भगवान श्री कृष्ण बालस्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगे। पन्ना के श्री जुगलकिशोर मंदिर में मथुरा की तर्ज पर जन्माष्टमी मनाने की वर्षों पुरानी परंपरा है।

क्योंकि यहां भगवान श्री कृष्ण की विग्रह रूपी प्रतिमा विराजमान है। जन्माष्टमी के पर्व पर भगवान श्री कृष्ण और राधा जी को हीरा, जवाहरात और सोने के बेशकीमती गहने पहनाए जाएंगे, जिनकी कीमत करोड़ों में है।

दरअसल पन्ना के श्री जुगलकिशोर मंदिर में जन्माष्टमी के पर्व पर प्रशासन औ मंदिर समिति के द्वारा विशेष तैयारियां की गई है। मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। जन्माष्टमी के पर्व को लेकर यहां 7 दिन पहले से ही तैयारियां की है। क्योंकि जुगलकिशोर जी के मंदिर में जन्माष्टमी मनाने देश के कौने-कौने से हजारों की संख्या में भक्त पन्ना आते है।

करोड़ों के गहने, मुरली की कीमत अनमोल: कलगीन हीरा जड़ित सोने की 30 ग्राम, बाजूबंद हीरा जड़ित सोने का 70 ग्राम, ब्रेसलेट 2 नग/पहले में पन्ना और दूसरे में नवरत्न सोने के 18 ग्राम, बेंदा हीरा और सोने से जड़ित 14 ग्राम मय धागा, पायल एक जोड़ी सोने की (चांदी के तार में)+14 गुरिया सोने के 90 ग्राम, मोती की माला जिसमें एक लॉकेट नवरत्न जड़ा हुआ 44 ग्राम मय धागा, नथ सोने की कच्ची जड़ित 13 ग्राम 600 मिलीग्राम,1 मुरली सोने की 264 ग्राम, बाजूबंद 2 नग सोने के पक्की जड़ित के 119 ग्राम जिनकी कीमत करोड़ों में है। दरअसल पन्ना के श्री जुगलकिशोर जी मंदिर का निर्माण पन्ना के चौथे बुंदेला राजा राजा हिंदूपत सिंह ने अपने शासनकाल के दौरान 1756 से 1778 तक किया था। किंवदंतियों के अनुसार, इस मंदिर के गर्भगृह में रखी गई मूर्ति को बृंदावन से ओरछा और फिर पन्ना लाया गया था। यहां विराजित भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी जुगलकिशोर के रूप में भक्तों को दर्शन देते है।

इनके आभूषण और पोशाक बुंदेलखंडी शैली को दर्शाते हैं। आभूषणों की बात करें तो भगवान को जनमाष्टमी के दिन बेशकीमती करोड़ों के हीरा जड़ित सोने के जेवरात पहनाए जाते है। मंदिर में बुंदेला मंदिरों की सभी स्थापत्य विशेषताएं हैं। जिसमें एक नट मंडप, भोग मंडप शामिल हैं।

नि:शुल्क नेत्र शिविर आयोजित, 45 मरीज आपरेशन के लिये भेजे गयें चित्रकूट

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। रोली मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 26 अगस्त को आयोजित नि:शुल्क नेत्र शिविर में 108 से अधिक मरीजों का नेत्र परीक्षण सदगुरू नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट से आये नेत्र विशेषज्ञो द्वारा किया गया और मोतिया बिन्द तथा अन्य समस्याओं से पीड़ित 45 मरीजों को आपरेशन एवं अन्य उपचार हेतु नि:शुल्क रूप से चित्रकूट भेजा गया। जिन मरीजों का उपचार दवा से होना था उन्हे नि:शुल्क दवा उपलब्ध कराई गई। उल्लेखनीय जन्माष्टमी का महत्वपूर्ण त्योहार होने के बाबजूद भारी संख्या मे मरीज रोली मेमोरियल पहुॅचे। उक्त सेवा कार्य में श्रीराम सिंह कर्चुली, रिन्कू कुशवाहा, श्रीपाली, उत्कर्ष आदि का सहयोग सराहनीय रहा। शिविर आयोजक मंडल की ओर से बताया गया कि आगामी माह में 26 सितम्बर को नेत्र शिविर के साथ ही विशाल भंडारा का भी आयोजन किया जावेगा।

सांसद ने जन्माष्टमी की दी शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर लोकसभा संसदीय क्षेत्र वासीयो को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की है। सांसद ने कहा कि प्रभु श्री कृष्णा की जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर जनता जनार्दन के जीवन में खुशहाली और समृद्धि, संपन्नता आए। सभी सुखी और प्रसन्न रहें, यही कामना करता हूं। इस दौरान श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्र मों में सांसद डॉक्टर मिश्रा ने भाग लिया और लोगों को शुभकामनाएं दी।

प्रशासन ने नहीं सुनी तो ग्रामीणों ने बनाया बांस-बल्ली का पुल

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले की रामपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम डिठोंरा में ग्रामीणों ने सोमवार को बांस-बल्ली से बने पुल का उद्घाटन किया। 100 से ज्यादा की आबादी वाले इस गांव में ना तो पुल है और न सड़क ही। रास्ते में खाई को पार करने के लिए ग्रामीणों ने प्रशासन को अर्जी दी थी। ग्रामीणों ने कई बार तहसीलदार से लेकर एसडीएम और जनपद पंचायत सीईओ को पत्र लिखा है पर उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। मजबूरन उन्हें बांस-बल्ली का पुल बनाना पड़ा।

ग्रामीण पीयूष पांडे ने बताया कि लोगों के निकलने का कोई रास्ता नहीं था जिसके बाद लोग इकट्ठा हुए और और लकड़ी के पुल को बनाकर तैयार कर लिया। अब लोग इसी से होकर सामान लेकर अपने घर जाते हैं। मोटरसाइकिल भी इसी रास्ते से होकर निकलती है। साथ ही छोटे बच्चे स्कूल जाने के लिए भी इसी रास्ते का इस्तेमाल करते हैं। जहां कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है क्योंकि नीचे गहरा खाई है और पानी भरा हुआ है। अगर पुल टूटा तो लोग दुर्घटना का शिकार हो जाएंगे।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय मड़वास में कार्यक्रम सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास जिला सीधी में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर विविध कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य हो कि सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद अष्टमी तिथि पर रोहिणी नक्षत्र में भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था इसीलिए यह दिन श्री कृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर भगवान श्री कृष्ण की पूजा प्राचार्य डॉ आई पी प्रजापति के द्वारा की गई। ततपश्चात महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा भजन और बघेली भाषा में गीत प्रस्तुत किये गए। साथ ही कृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों पर बात की। इस अवसर पर महाविद्यालय की डॉ ज्योति रजक एवं डॉ सौरभी गुप्ता के द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया। वहीं डॉ अमिता खरे के द्वारा कृष्ण-सुदामा की मित्रता का वर्णन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने श्री कृष्ण के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। अतिथि के रूप में उपस्थित धीरज नामदेव ने भी अपनी बात रखी। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ दीपक अग्निहोत्री ने किया। साथ ही उन्होंने गीता के श्लोकों के माध्यम से समझाते हुए कहा कि गीता में कही गई श्री कृष्ण की बातें आज भी जीवन मे आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।अंत में आभार प्रदर्शन डॉ निशा सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ संगीता मिश्रा, डॉ कमलेश जायसवाल, डॉ राजेश पटेल, प्रवीण साकेत, डॉ लक्ष्मीकांत कुशवाहा, डॉ सुरेंद्र गुप्ता, सुंदर लाल प्रजापति, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस में मनाया गया श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में एक विचार संगोष्ठी का आयोजन कर श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व मनाया गया। भगवान श्री कृष्ण के कर्मवाद सिद्धांत पर वक्ताओं के द्वारा अपने विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी के सिंह ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के जीवन का हर एक प्रसंग हमें संदेश देता है कि असाधारण परिस्थितियों में भी मनुष्य किस प्रकार कार्य करते हुए आगे बढ़ सकता है। कार्यक्रम में डॉ अश्वनी द्विवेदी, डॉ उमेश विश्वकर्मा, डॉ के एस नेताम, डॉ अनिल सिंह ने श्री कृष्ण के जीवन चरित्र पर अपने विचार प्रकट किए।

सहायक प्राध्यापक डॉ शशि कला पटेल ने सुंदर जन्मगीत प्रस्तुत किया। केशू सिंह, प्रीति रजक, अर्पित गुप्ता,जय प्रकाश सोनी, अतुल तिवारी आदि छात्रों ने भजन गायन के माध्यम से कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। विचार संगोष्ठी में डॉ प्रभाकर सिंह, डॉ अरविन्द कुमार त्रिपाठी, डॉ के बी सिंह, डॉ अरुणा ठाकुर, डॉ दिवाकर सिंह, डॉ गुलशेर अहमद, डॉ नागेन्द्र सिंह, डॉ रवीन्द्र नाथ सिंह, डॉ सिद्धार्थ वर्मा, डॉ आर एस भारती, डॉ ब्रजेश सिंह, डॉ अनीता द्विवेदी, डॉ राजेश विश्वकर्मा, डॉ सच्चिदानंद तिवारी, डॉ विभा कुशवाहा, डॉ नीता वर्मा, श्री दादूलाल गुप्ता, श्री डी के मिश्रा,शिवेन्द्र सिंह, ऊषा सिंह, मनोज एवं महाविद्यालयीन छात्र छात्राओं ने उपस्थित होकर विचारों को सुना। विचार संगोष्ठी का आयोजन प्रो विनोद कुमार साकेत विभागाध्यक्ष हिन्दी के संयोजकत्व में आयोजित हुआ। मंच संचालन डॉ रावेन्द्र बहादुर सिंह चौहान के द्वारा किया गया।

नकली घी के कारोबार पर एक्शन

बैढ़न पुलिस ने एक कार से जब्त किया 107 लीटर नकली घी और सामग्री, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले की बैढ़न थाना पुलिस ने शनिवार रात को 107 लीटर नकली घी और नकली घी बनाने में उपयोग होने वाले केमिकल को जप्त करने में सफलता पाई है पुलिस ने कारोबार में लिप्त एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है पकड़े गए सामान की कुल कीमत 5 लाख 15 हजार है जानकारी के अनुसार पुलिस ने शहर के पुराने आरटीओ कार्यालय के पास व्यापारियों को नकली घी बेचने जा रहे आरोपी अवधेश कुमार अग्रहरी को 107 लीटर ब्रांडेड कंपनी के नकली घी और घी बनाने में उपयोग होने वाले केमिकल सहित गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार ने बताया कि काले रंग की कार में यह सभी सामग्री रखी हुई थी। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह उत्तरप्रदेश के वाराणसी से नकली घी बनाने का सामान लेकर आया था और बैढ़न में व्यापारियों को बेचने वाला था। तभी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी व्यापारी के विरुद्ध ट्रेडमार्क अधिनियम की धारा 103, 104 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। आरोपी से पूछताछ जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अशोक सिंह के साथ एसआई केपी सिंह, एसआई राजेश शुक्ला, अरविंद द्विवेदी, प्रधान आरक्षक जितेंद्र सेंगर, आरक्षक अभिमन्यु उपाध्याय की सराहनीय भूमिका रही।

एंबुलेंस के चालक और सहयोगी ने किया शानदार काम, लोग कर रहे तारीफ

सिंगरौली जिले में एंबुलेंस चालक और उसमें उपस्थित स्टाफ का प्रेरणा देने वाला काम सामने आया है, जिसका सोशल मीडिया पर सोमवार को वीडियो भी वायरल हो रहा है। जहां घायल महिला को लाने के लिए एंबुलेंस के चालक और उसके सहयोगी ने तकरीबन 500 मी दूर उसके घर जाकर स्पाइन बोर्ड के जरिए पैदल एंबुलेंस तक लाए और फिर इलाज के लिए अस्पताल ले गए।

सिंगरौली के सरई इलाके सेमरहिया गांव से 108 एंबुलेंस को कॉल आई कि एक महिला गंभीर हालत में है और उसे स्वास्थ्य केंद्र सरई लेकर जाना है। एंबुलेंस के चालक राधिका वैश्य अपने सहयोगी अरविंद साकेत के साथ मौके पर पहुंचे। लेकिन एंबुलेंस बीमार महिला के घर तक नहीं पहुंच सकती थी।

तब एंबुलेंस के दोनों कर्मचारी राधिका वैश्य और अरविंद स्पाइन बोर्ड लेकर महिला के घर गए और तकरीबन 500 मीटर दूर से पैदल ही महिला को एंबुलेंस तक लेकर आए, जिसका वहां मौजूद किसी ने वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। इसके बाद दोनों ही कर्मचारियों की जमकर तारीफ हो रही है।

पीएम जनमन अभियान के आईईसी कैम्पेनिंग के तहत कैम्प आज

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पीएम जनमन अभियान के जिला नोडल अधिकारी श्री राजेश शाही अपर कलेक्टर ने जानकारी देकर बताया कि आईईसी कैम्पेनिंग के तहत 10.9.2024 तक पीवीटीजी बैगा बसाहटो में सेचुरेशन कैम्प लगाये जाएंगे।

कैम्प में आधार, आयुष्मान, जाति प्रमाण पत्र, जन-धन खाता, आधार अपडेशन, के अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग के अमला द्वारा सिकल सेल की जांच भी कराई जाएगी। मंगलवार को सीधी विकास खंड के ग्राम पंचायत डोल कोठार एवं हड़बड़ो में, कुसमी विकासखण्ड के ग्राम पंचायत खरबर व पोड़ी में, मझौली विकासखंड के ग्राम पंचायत पोड़ी व बोदारी टोला में, रामपुर नैकिन विकास खंड के ग्राम पंचायत कुशमहर में तथा सिहावल विकासखंड के बघोर में कैम्प लगाये जाएंगे। इस प्रकार को कुल 8 कैम्प लगेंगे।

मेडिकल स्टोर की आड़ में किया जा रहा था नशे का कारोबार

18000 नग टेबलेट एवं 196 नग नशीली सिरफ की जप्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। रामपुर नैकिन पुलिस द्वारा अवैध नशे के विरूद्ध कार्यवाही करते नशे की टेबलेट एवं कफ सिरफ बेच रहे मेडिकल संचालक पर कार्यवाही करते हुये नशीली टेबलेट एवं कफसिरफ जब्त की गई। मुखविर से सूचना प्राप्त हुई की राज मेडिकल स्टोर रामपुर नैकिन का संचालक मेडिकल स्टोर के अंदर अवैध नशीली कफसिरप एवं गोलिया बिना डॉक्टर की पर्ची के बेच रहा है। जिस पर थाना प्रभारी रामपुर नैकिन द्वारा त्वरित रूप से एक टीम गठित कर मुखविर के बताये स्थान पर तस्दीक एवं रेड कार्यवाही हेतु भेजा गया। मेडिकल स्टोर के पास दो लड़के काउंटर के पास खड़े होकर कुछ लें रहे हैं, जो पुलिस को देखकर वहा से भाग गये तथा मेडिकल संचालक अवैध नशीली टेबलेट एवं कफ सिरप छुपाने लगा मौके पर पहुंचने पर काउंटर के उपर 3 नग कफ सिरप रखी मिली। काउंटर के अंदर खड़े व्यक्ति का नाम पता पूछे जाने पर अपना नाम दीपक उर्फ दीपू गुप्ता पिता अंजनीलाल गुप्ता उम्र 37 वर्ष निवासी रामपुर नैकिन बताया। विधि अनुसार मेडिकल स्टोर की तलाशी ली गई तो मेडिकल के अंदर कागज के कार्टून में सें नशीली कफ सिरप कुल 196 नग मिली जिसकी अनुमानित कीमत 30873 एवं एक कार्टून में नशीली टेबलेट के 30 पैकेट कीमती 54000 रुपये मिली। जिसके रखने व विक्रय के संबंध में आरोपी से वैद्य कागजात की मांग की गई जिसे आरोपी प्रस्तुत नहीं किया। जिस पर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पाये जाने पर अपराध कायम कर नशीली सामग्री जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर पूछताछ की जा रही है।

अनूपपुर में मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर प्रस्तुति दी, कलेक्टर बोले- लोगों को धर्म पर चलने का संदेश दिया

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर में रविवार को जिला स्तरीय श्री कृष्ण जन्मोत्सव आयोजित किया गया। सामतपुर तालाब पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र और उनसे जुड़ी लीलाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर कलाकारों और छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पर प्रस्तुति दी। आकर्षक नृत्य और लोक गीत की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम में कोल विकास प्राधिकरण अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) रामलाल रौतेल ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण का पूरा जीवन अनुकरणीय रहा है।

हम सभी को भगवान कृष्ण के बताए मार्गों पर चलना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव को उत्सव के रूप में बनाने का संकल्प लिया है। यह बहुत ही सराहनीय हैं।

यह बहुत ही प्रसन्नता का विषय है कि पूरे जिले में भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव को पूरे धूमधाम से मनाया जा रहा है। पूरा जिला कृष्णमय हो गया है। भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचार को समाप्त करने के लिए इस पृथ्वी पर अवतार लिया था, जो हमें संदेश देता है कि कहीं भी अत्याचार हो रहा हो। उसका विरोध करना चाहिए। कार्यक्रम का उद्देश्य भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों का जन-जन तक पहुंचाना है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ने का प्रयास हैं। भगवान श्री कृष्ण ने धर्म के मार्ग पर चलने का सदैव संदेश दिया है। जन्माष्टमी हमारे समाज को संस्कृति एवं धार्मिक रूप से जोड़ने का संदेश देता है। जन्माष्टमी पूरे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

हम सभी को अनूपपुर के विकास के लिए सहभागिता निभाते हुए कार्य करना है। कृष्ण जन्माष्टमी का पवन पर्व हमें यह संदेश देता है कि हम अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करें।

आयुक्त नि:शक्तजन लेंगे एडव्होकेसी की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। आयुक्त नि:शक्तजन मध्यप्रदेश श्री संदीप रजक 27 जुलाई 2024 को सायं 7.30 बजे सतना से सीधी आयेंगे तथा रात्रि विश्राम करेंगे। श्री रजक 28.08.2024 को समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ आगामी चलित न्यायालय एवं दिव्यांगजन सहायता शिविर की व्यवस्थाओं की चर्चा एवं एडव्होकेसी बैठक लेंगे। अन्य कार्यक्र म जिले के अधिकारी के साथ चर्चा कर निर्णय लिया जावेगा।

विचार

राजनीतिक परिवारों की महिलाएं और राजनीति

कुछ नेता चुनावों के दौरान उभरते हैं, जैसे कि लोकसभा या विधानसभा चुनाव। ऐसी ही एक शख्सियत हैं 59 वर्षीय सुनीता, जो दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी हैं। वे अपने जेल में बंद पति और पार्टी के बीच अहम कड़ी बन गई हैं। केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद भी वे पार्टी के लिए काम करना जारी रखेंगी या नहीं, यह अभी तय नहीं हो पाया है। राजनीतिक परिवारों की महिलाएं अक्सर अपने रिश्तेदारों की जगह राजनीति में उतरती हैं। इसका एक सफल उदाहरण सोनिया गांधी हैं। एक और उल्लेखनीय मामला राबड़ी देवी का है। उन्होंने 2000 से 2005 तक बिहार का नेतृत्व किया, जब उनके पति को कथित तौर पर घोटाले में शामिल होने के कारण इस्तीफा देना पड़ा था। सुनीता के पास अनुभव और ठोस पेशेवर पृष्ठभूमि है। आयकर विभाग में उनका 22 साल का कार्यकाल, जो आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आई.टी.ए.टी.) में आयकर आयुक्त के रूप में समाप्त हुआ, उनकी योग्यता को दर्शाता है। दरअसल, सुनीता ने अपने पति की राजनीतिक यात्रा को कम प्रोफाइल के साथ आगे बढ़ाया है। केजरीवाल ने खुद को एक पारिवारिक व्यक्ति के तौर पर पेश किया और लोकसभा चुनावों के दौरान सुनीता के साथ प्रचार किया। खासकर केजरीवाल के जेल जाने के बाद आम आदमी पार्टी में सुनीता की बढ़ती भागीदारी उनकी प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। केजरीवाल के इस्तीफा देने पर मुख्यमंत्री के तौर पर उनकी संभावित भूमिका के बारे में अटकलें 'आप' की राजनीति में एक नया नजरिया ला सकती हैं। दूसरी बात, सुनीता का नेतृत्व इस समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि आम आदमी पार्टी संकट से जूझ रही है। कई वरिष्ठ नेता भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में केजरीवाल की गिरफ्तारी ने पार्टी की चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। केंद्र ने उन्हें लंबे समय तक मौका दिया है और संवैधानिक विफलता के आधार पर उनकी सरकार को बर्खास्त नहीं किया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली में विधानसभा चुनाव जनवरी 2025 में होने हैं, जिससे आगामी चुनाव बेहद महत्वपूर्ण हो गए हैं। केजरीवाल के डिप्टी मनीष सिसोदिया का सुझाव है कि केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद पार्टी में सुनीता की भूमिका खत्म हो जाएगी। 'आप' के संस्थापक और सदस्य सिसोदिया केजरीवाल के उत्तराधिकारी हो सकते हैं। 'आप' सांसद संजय सिंह का दावा है कि केजरीवाल के संदेशवाहक के रूप में सुनीता की भूमिका बढ़ रही है।

नारी स्वतंत्रता के सबसे बड़े पैरोकार श्री कृष्ण

-बृजेश शुक्ल

पूरा देश श्री कृष्ण के जन्म के उत्सव में डूबा हुआ है। लेकिन क्या यह उत्सव ही श्री कृष्ण को समझने की कोशिश का एक मात्र मार्ग और लक्ष्य है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि दुनिया में श्री कृष्ण की भक्ति के साथ उनकी वाणी भगवद् गीता की महिमा भी बढ़ती जा रही है। यह सुखद है लेकिन इस अत्याधुनिक दौर की दुनिया में क्या श्री कृष्ण के मार्ग का अनुसरण हो पा रहा है। आज के संदर्भ में श्री कृष्ण का मार्ग सबसे ज्यादा अनुकरणीय है। समाज में पाखंड बढ़ता जा रहा है। नारी स्वतंत्रता कहीं ज्यादा खतरे में है। दुनिया में युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं और शांति के नाम पर भेदभाव हो रहा है। पर्यावरण खतरे में है और तंत्र-मंत्र जादू-टोना करने वाले फल फूल रहे हैं। भगवान श्री कृष्ण का स्मरण होते ही पहले ब्रज याद आता है और फिर महाभारत काल। ब्रज की भूमि में वह प्रेम के पुजारी हैं। वह उस ब्रज रज में लौटते हैं जहां आज भी बार-बार यह विश्वास होता है यहीं तो हैं श्री कृष्ण। ऐसी-ऐसी लीलाएं जिस पर संत और दुनिया भर से आने वाले भक्त न्यौछावर हैं। ऐसी दीवानगी कि रसखान ब्रज के ही हो गए। लेकिन ज्यों ही श्री कृष्ण ब्रज छोड़कर बाहर जाते हैं वह योगेश्वर श्री कृष्ण हो जाते हैं। वह अपने सखा अर्जुन को बीच कुरुक्षेत्र में उपदेश देते हैं और कहते हैं -

हे अर्जुन ! जो भक्त जिस प्रकार मेरी शरण लेते हैं, मैं उन्हें उसी प्रकार आश्रय देता हूं क्योंकि सभी मनुष्य सब प्रकार से मेरे मार्ग का अनुकरण करते हैं। श्री कृष्ण का स्मरण होते ही पहले ब्रज याद आता है और फिर महाभारत काल भी। वास्तव में ऐसे अलौकिक और अद्वितीय चरित्र दुनिया में कम ही देखने को मिलते हैं जैसा भगवान श्री कृष्ण का है। वह बाल गोपाल है। उनके नाम संकीर्तन पर नृत्य करते हैं झूमते हैं। रसखान भी उन पर न्यौछावर हो जाना चाहते हैं और सूरदास भी। उनका पूरा जीवन चरित्र रूढियों को तोड़ता है। अंधविश्वासों को खत्म करता है। पाखंड को धिक्कारता है। पूरे ब्रजवासी जब इंद्र की पूजा की तैयारी में व्यस्त थे तब श्री कृष्ण ने उनसे कहा कि किसकी पूजा कर रहे हो। इंद्र देवता हैं इसलिए क्या उनकी पूजा उचित है। हम सब प्रकृति की पूजा क्यों नहीं करते। हम गाय की पूजा क्यों नहीं करते जो जीवन दायिनी है और उन्होंने इंद्र की जगह गिरीराज जी का पूजन कराया। इंद्र के स्थान पर गाय की पूजा हुई। विडंबना तो देखिए महाभारत टालने के प्रयास में श्री कृष्ण शांति दूत बनकर के धृतराष्ट्र के दरबार में चले जाते हैं और यह प्रस्ताव देते हैं कि शांति के लिए पांडव सिर्फ 5 गांव लेकर मान जाएंगे। क्या शांति का इससे बड़ा प्रस्ताव कभी दुनिया में देखा गया है। शायद नहीं लेकिन जब शांति की सारी संभावनाएं समाप्त हो जाती हैं और कौरव और पांडवों की सेनाएं कुरुक्षेत्र में आमने-सामने खड़ी हो जाती हैं तब अर्जुन को मोह पैदा होता है। अपने परिवार के प्रति मोह के कारण ही वह शांति की बात करने लगते हैं लेकिन श्री कृष्ण इस प्रस्ताव को नहीं मानते और अर्जुन के शांति प्रस्ताव को कायरता बताते हैं। श्री कृष्ण के व्यक्तित्व की यही विराटता है कि वह देशकाल परिस्थिति के अनुसार ही निर्णय करते हैं। वह शांति के पुजारी हैं लेकिन जो लोग शांति के मार्ग में बाधक हैं उनको दंड भी दिलाना वह जानते हैं। श्री कृष्ण नारी स्वतंत्रता के सबसे बड़े पैरोकार हैं। द्रौपदी उनके लिए नारी स्वतंत्रता की प्रतीक है जिसका भरी सभा में चीर हरण कर अपमान करने की कोशिश की गई। भीष्म पितामह उनके प्रिय हैं लेकिन जब रणभूमि में पितामह को सामने देख पितामह पर तीर चलाने में अर्जुन के हाथ कांपते हैं तो श्री कृष्ण उन्हें याद दिला देते हैं जब द्रौपदी का भरी सभा में अपमान हो रहा था तब पितामह शांत बैठे थे। चुपचाप बैठे थे।

नारी के अपमान पर चुपचाप बैठे पितामह उतने ही दोषी हैं जितना अपमान करने वाले। सुभद्रा का विवाह जबरन दुर्योधन से कराया जा रहा था लेकिन सुभद्रा की इच्छा जानकर श्री कृष्ण ने अर्जुन से कहा कि वह सुभद्रा को ले जाएं। श्री कृष्ण के इस निर्णय पर तमाम सवाल उठते हैं लेकिन श्री कृष्ण का एक जवाब था कि नारी की इच्छा के बिना परिवार उसका किसी से भी विवाह नहीं करा सकता। श्री कृष्ण का पूरा जीवन चुनौतियों और संघर्षों से भरा है। यह इसलिए क्योंकि वह पूरे समाज को यह सीख देना चाहते थे कि चुनौतियां कितनी ही बड़ी क्यों न हो शांत बैठने वाले कायर होते हैं। गुजरात में समुद्र तट पर पहुंचकर द्वारिका नगरी बसाते हैं लेकिन द्वारिका में चैन से बैठ भी पाते कि महाभारत के युद्ध की आहट आने लगती है। वह शांति दूत बन हस्तिनापुर जाते हैं। हरसंभव प्रयास करते हैं कि महाभारत को रोका जाए लेकिन जब नहीं रुकता और वह अर्जुन के सारथी बनते हैं। महाभारत युद्ध समाप्त होता है और लौटकर द्वारिका में कुछ दिन भी चैन से नहीं बैठ पाते कि उनके परिवार में ही कलह शुरू हो जाती है। श्री कृष्ण एक दिन भी चैन से नहीं बैठे। वह सतत संघर्ष करते रहे, समाज को नई राह दिखाते रहे। वह सबसे बड़े उपदेशक हैं उस सत्य की राह के जिससे लोग भटक गए हैं।

सत्ताधीशों की निरंकुशता

जेन्नी शबनम

एक कहावत है 'हाथी चले बाज़ार कुत्ता भौंके हज़ार।' इसका अर्थ है आलोचना, निन्दा, द्वेष या बुराई की परवाह किए बिना अच्छे कार्य करते रहना या सही राह पर चलते रहना। इसका सन्देश अत्यन्त सकारात्मक है, जो हर किसी के लिए उचित, सार्थक एवं अनुकरणीय है। हम सभी के जीवन में ऐसा होता है जब आप सही हों फिर भी आपकी अत्यधिक आलोचना होती है। अक्सर आलोचना से घबराकर या डरकर कुछ लोग निष्क्रिय हो जाते हैं या चुप बैठ जाते हैं। लेकिन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नकारात्मक रूप में कुछ नेता स्वयं को हाथी मानकर मनमानी करते हैं। आम जनता का क्या? चिल्लाये, चिल्लाती रहे। न किसी को हमारी परवाह है, न कोई हमारी बात सुनता है; फिर भी हम बोलते रहते हैं। ज़िन्दाबाद-मुर्दाबाद करते रहते हैं। हमारे सत्ताधीश बिगड़ैल हाथी की तरह सत्ता हथियाने के लिए भाग रहे हैं। वे हाथी हैं, अपने हाथी होने पर उन्हें घमंड है। भूख, ग़रीबी, बेरोज़गारी, अन्याय, अत्याचार, तानाशाही, निरंकुशता आदि के ख़िलाफ़ हम कितनी आवाज उठाएं, कोई सुनवाई नहीं है। नेताओं को कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता, वे हाथी जो ठहरे। जब-जब चुनाव आएगा तब-तब हाथी होश में आएगा और गिरगिट-सा रंग बदलते हुए अपनी चाल थोड़ी धीमी करेगा। थोड़ा पुचकारेगा, थोड़ा दया दिखाएगा; जो झांसे में न आया उसका दमन कर देगा। यूं भी पेट और वोट का रिश्ता बहुत पुराना है। पांच साल जनता आवाज उठाये और नेता हाथी की तरह मदमस्त चलता रहे। समाज में हर तरह के लोग होते हैं जो हर कार्य का आकलन, अवलोकन और निष्पादन सोच-विचार से करते हैं। हमारी सोच को शिक्षा, धर्म और संस्कृति सबसे ज्यादा प्रभावित करती है। जाने कब आएगा वह दिन जब न कोई शासक होगा, न कोई शोषित। जब शासक और शोषित होगा ही नहीं तो ऐसी कहावतों पर जनता को फिट नहीं किया जा सकेगा। जनता अपने काम में लगी रहेगी और बेहतर समाज का निर्माण होगा। यही नहीं, इन सबसे इतर भी बात बनेगी। जनहित को ध्यान में रखकर इन्सानियत वाले समाज का निर्माण होगा। लेकिन शासक वर्ग हाथी की तरह अपने मद में चूर है। संदर्भ भले उलट गया पर कहावत सही है।

पाकिस्तान की आई.एस.आई. का दोहरा खेल

भूपिंदर सिंह

जासूसी उपन्यासकार जॉन ले कैरे जासूसों को जटिल और एकाकी प्राणी बताते हैं, जो दोहरी जिंदगी जीते हैं। इस तरह का एकांत उन्हें धोखा देने, साजिश करने और एकतरफा महत्वाकांक्षा रखने के लिए मजबूर करता है। तथ्य यह है कि वे गहरे और अंधेरे रहस्यों को जानते हैं, लेकिन फिर भी उनसे संयम से काम लेने की उम्मीद की जाती है। कभी-कभी उन्हें अपने 'विशेषाधिकार' (पढ़ें, गोपनीय जानकारी) को लापरवाह उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करता है। क्योंकि वे बहुत सारी गंदगी से खतरनाक रूप से अवगत होते हैं, इसलिए वे अपनी महत्वाकांक्षा से डरते हैं। कहावत है कि सीजर की पत्नी की तरह, हमेशा संदेह से परे होना चाहिए लेकिन अक्सर ऐसा नहीं होता। पाकिस्तान की कुख्यात जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विसेज-इंटैलीजैंस (आई.एस.आई.) अपने पेशेवर दायरे से बाहर जाकर घरेलू राजनीति, वाणिज्यिक हितों या यहां तक कि अपने स्वीकृत जनादेश से परे सीमा पार की हरकतों में शामिल होने के लिए बदनाम है। अगर पाकिस्तानी सेना प्रमुख असली ताकत है (इसके बावजूद सिविल राजनेताओं का दिखावा), तो यकीनन दूसरा सबसे शक्तिशाली व्यक्ति डी.जी.-आई.एस.आई.है। सेना प्रमुख या प्रधानमंत्री के प्रति कथित वफादारी (ऐसे समय में जब सेना पीछे हट जाती है और राजनेताओं का दबदबा होता है) अंतर्निहित है, हालांकि, पाकिस्तानी आख्यान में, पीठ में छुरा घोंपना आम बात है। विडंबना यह है कि इतने शक्तिशाली 'नंबर 2' पद के लिए, अब तक 29 डी.जी.-आई.एस.आई.रहे हैं, और केवल एक ही सेना प्रमुख के पद पर चढ़े हैं, यानी वर्तमान सेना

प्रमुख, जनरल असीम मुनीर। यहां तक कि वर्तमान सेना प्रमुख, जनरल असीम मुनीर को भी अचानक डी.जी.-आई.एस.आई. के पद से हटा दिया गया था क्योंकि तत्कालीन पी.एम. इमरान खान उनके आचरण से असहज महसूस कर रहे थे (बाद में कर्म ने समीकरण को बराबर कर दिया क्योंकि इमरान आज खुद जेल में हैं)। ऐसा लगता है कि यह प्रोफाइल एक वफादार, निर्विवाद और कमजोर डी.जी.-आई.एस.आई. की है, जो गुमनामी से संतुष्ट होकर काम करता है (अति महत्वाकांक्षी नहीं होना चाहिए) और बिना किसी उपद्रव के सेवानिवृत्ति के बाद प्रभावी रूप से सूर्यास्त की ओर बढ़ता है। अवसर, लालच और पहुंच को देखते हुए, कई लोग अपनी किस्मत आजमाने की कोशिश करते हैं। एक डी.जी.-आई.एस.आई. का एक दिलचस्प मामला है, जो सेना प्रमुख के रूप में नियुक्त तो हुआ, लेकिन उसका कार्यकाल केवल कुछ घंटों का था और आधिकारिक रिकॉर्ड में यह पाकिस्तानी सेना प्रमुख बनने के रूप में दर्ज नहीं है। लैफ्टिनैंट जनरल जियाउद्दीन बट एक विशिष्ट डी.जी.-आई.एस.आई. थे, जो बातचीत करने के लिए तालिबान के खूंखार नेता मुल्ला उमर से मिलने के लिए अफगान सीमा पार गए थे । वे पाकिस्तानी राज्य के अंधेरे गलियारों और चालों के बीच में थे। जियाउद्दीन की दूसरे प्रतिस्पर्धी सत्ता केंद्र यानी पी.एम. नवाज़ शरीफ़ तक सीधी पहुंच थी, और वह सेना प्रमुख के पद से परवेज मुशर्रफ को हटाने के शरीफ के प्रयास में एक इच्छुक सहयोगी था। तख्तापलट (या मुशर्रफ इसे जवाबी तख्तापलट कहते हैं) से पहले, 'जनरल' जियाउद्दीन को जल्दबाजी में सेना प्रमुख नियुक्त किया गया था और फिर पाकिस्तानी सेना ने तुरंत उन्हें हटा दिया, जिसने अपने डी.जी.-आई.एस.आई. की महत्वाकांक्षा का समर्थन करने से इंकार कर दिया था। जासूस मास्टर की चाल विफल हो गई। जियाउद्दीन संवैधानिक रूप से उचित से परे व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा रखने वाले डी.जी.-आई.एस.आई. में से पहले या आखिरी नहीं थे। एक और व्यक्ति जो संविधान से परे महत्वाकांक्षा रखने और उसकी कीमत चुकाने के लिए चर्चा में है, वह पूर्व डी.जी.-आई.एस.आई., लैफ्टिनैंट जनरल फैज हमीद हैं। हाल ही में पाकिस्तानी 'प्रतिष्ठान' (जिसका नेतृत्व क्रमशः पूर्व और वर्तमान सेना प्रमुख कमर बाजवा और असीम मुनीर कर रहे हैं) और इमरान खान सरकार के बीच छिड़े विवाद के बीच अपनी संदिग्ध भूमिका के कारण समय से पहले सेवानिवृत्ति के लिए मजबूर किए जाने के बाद, उन्हें अपने तत्कालीन शक्तिशाली पद का दुरुपयोग करने और कुछ रियल्टी सौदे में लोगों को मजबूर करने के कारण फिर से सार्वजनिक समाचारों में लाया गया है। जबकि उन्हें पहले अपेक्षाकृत रूप से सम्मान बचाने के लिए 'समय से पहले सेवानिवृत्ति' दी गई थी (हालांकि हर कोई बेहतर जानता था), उन्हें अपदस्थ इमरान खान सरकार (जिसके बारे में माना जाता है कि लैफ्टिनैंट जनरल फैज हमीद की पहचान इसी से है) के खिलाफ नए अंक हासिल करने के लिए शर्मनाक तरीके से कोर्ट मार्शल किया जा सकता था। लैफ्टिनैंट जनरल फैज हमीद के कई कृत्यों से यह पता चलता है कि वे बहुत अहंकारी, घमंडी और अतिशयोक्तिपूर्ण आचरण करते थे जो जासूसों की भूमिका के अनुकूल नहीं था, लेकिन शायद व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा उन पर हावी हो गई थी। जैसे-जैसे पासा पलटा, कहानी बदल गई और इसके साथ ही उन्हें भी हटा दिया गया। अगर मौजूदा सरकार अपनी राह पर चलती रही तो वे बदनामी और बदनामी के दूसरे दौर के लिए वापस आ सकते हैं।

युवक को दौड़ा-दौड़ाकर बोतल से मार डाला

गले में घुसा दिए टूटे कांच, इधर-उधर भागता रहा, मर्डर से पहले का वीडियों आया सामने

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हमलावरों ने एक युवक को दौड़ा-दौड़ाकर बोतल से मार डाला। बताया जा रहा है कि शराब पीने के दौरान विवाद के बाद बोतल से मारा है। वार के बाद युवक करीब 100 मीटर तक इधर-उधर भागता रहा और जमीन पर गिर गया। मर्डर से पहले का वीडियो सामने आया है। मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक युवक का नाम राहुल सिंह चौहान (29) है। वह सिटी कोतवाली क्षेत्र के नारियल कोठी का रहने वाला था। भाटिया सिटी केबल में काम करता था। रविवार की देर रात करीब 11 बजे वह शराब पीने के लिए पुराना बस स्टैंड के पास गया था।

100 मीटर दूर पड़ी थी बाइक, जगह-जगह मिले खून के निशान: बताया जा रहा है कि जिस जगह पर युवक की लाश पड़ी थी। वहां से महज 100 मीटर दूर उसकी बाइक खड़ी थी। घटनास्थल के पास जगह-जगह खून के धब्बे और कांच के टुकड़े पड़े थे। पुलिस ने सबूत के तौर पर कुछ सैंपल भी उठाए हैं।

देर रात घटनास्थल पहुंचे एसपी: आसपास के लोगों ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद तारबाहर टीआई गोपाल सतपथी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सूचना मिलते ही एसपी रजनेश सिंह, एएसपी उमेश कयश्प, सीएसपी कोतवाली पूजा कुमार समेत तीन थानों के टीआई भी पहुंच गए। एसपी ने मृतक के भाई और दोस्तों को बुलाकर पूछताछ की।

रात 8.30 बजे ऑफिस से निकला था युवक: पुलिस की पूछताछ में पता चला कि राहुल कुमार चौहान रात करीब 8.30 बजे ऑफिस से घर जाने के लिए निकला था। माना जा रहा है कि वह अपने घर जाने के बजाए दोस्तों के साथ बस स्टैंड चला गया, जहां उसने शराब पी। इसी दौरान उसका विवाद हुआ और मर्डर हो गया।

मर्डर से पहले का वीडियो आया सामने: जांच के दौरान पुलिस को युवक की मौत के पहले का एक वीडियो मिला है, जिसमें वह अपने दोस्त सद्दाम का जन्मदिन मना रहा है। वीडियो में सद्दाम के साथ अन्य दोस्त भी नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि पुराना बस स्टैंड के पास ही ऑटो पर बैठकर केक काटकर जन्मदिन मनाया।

एसपी का दावा- हमलावरों की पहचान: एसपी रजनेश सिंह ने दावा किया है कि हत्यारों की पहचान कर ली गई है। फिलहाल, हत्या किस वजह से हुई है। इसका पता नहीं चल सका है। संदेहियों से पूछताछ कर हत्यारों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। आसपास दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। आरोपी जल्द गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।

बदमाशों ने महिला की साड़ी खींचकर लात-घूंसों से पीटा

लड़की से छेड़छाड़ पर दो समुदाय में बवाल, डंडे से मारकर जमीन पर गिराया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में बदमाशों के गैंग ने महिला की साड़ी खींचकर उसकी लात-घूंसों से जमकर पिटाई की है। इस दौरान बदमाशों ने महिला पर डंडे से भी अटैक किया। जिससे वो जमीन पर गिर गई। बताया जा रहा हैं कि बदमाश वारदात के वक्त नशे में थे। वो गुढ़ियारी के गोगांव इलाके में सरेआम गुंडई करके डर फैला रहे थे।

वहीं, कोटा इलाके में लड़की से छेड़छाड़ को लेकर बवाल दो समुदाय के बीच जमकर बवाल हुआ है। इस तरह राजधानी में 4 जगहों पर मारपीट की वारदात हुई है।

गुढ़ियारी के गोगांव में महिलाओं से बदसलूकी-

पहला केस: रविवार की रात करीब 10 बजे गुढ़ियारी थाना इलाके के गोगांव में आदतन बदमाश आकाश साहू और देव प्रकाश साहू करीब 10 से 12 बदमाशों के साथ जमकर उत्पात मचाया है। आरोपियों ने इलाके में अपनी दादागिरी झाड़ने के लिए मोहल्ले के 5-6 लोगों के साथ जमकर मारपीट की है।

इस दौरान बदमाशों ने मोहल्ले में खड़ी महिलाओं की साड़ियां खींची और उसे लात-घूंसे से पीट दिया। कुछ बदमाशों ने उन पर डंडे से भी वार किया। जिससे वे बुरी तरह घायल हो गई। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया हैं।

जिसमें कुछ बदमाशों के हाथों में तलवार भी दिख रहा है। जिसे वो लहरा रहे हैं। इस मामले में गुढ़ियारी पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है। आरोपियों की तलाश कर रही है।

50 हजार के लेन-देन के लिए शर्ट उतारकर पीटा-

दूसरा केस: खमतराई के भनपुरी इलाके में करीब 10 से 15 युवक रामेश्वर नगर निवासी टेकराम साहू के घर पहुंचे। आरोपियों का टेकराम के साथ 50 हजार का लेनदेन था। उन्होंने टेकराम के घर के सामने ही उसकी शर्ट उतार कर पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान आरोपियों ने गाड़ी की चाबी उसके पेट में घुसा दी।

घायल टेकराम जब घर के अंदर घुसा, तो उसके घर के दरवाजे पर ईंट और पत्थरों से हमला कर दिया। सीसीटीवी वीडियो में दिख रहा है कि इस मारपीट के दौरान मौजूद बुजुर्ग लगातार झगड़े को शांत का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

कोटा में लड़की से छेड़छाड़ को लेकर बवाल-

तीसरा केस: कोटा के छोटे मस्जिद इलाके में एक युवती से छेड़छाड़ को लेकर दो समुदाय के बीच जमकर मारपीट हुई हैं। इस दौरान एक पक्ष ने हॉकी-स्टिक से दूसरे पर हमला कर दिया। वही दूसरे पक्ष ने डंडे से मारपीट की।

इस दौरान घरों पर भी जमकर पथराव हुआ। इसे लेकर सरस्वती नगर थाने में रात 3 बजे तक जमकर बवाल होते रहा। पुलिस ने शंकर सोना और शहबाज के खिलाफ अफॅआईआर दर्ज कर लिया है।

पंडरी में युवक से मारपीट-

चौथा केस: पंडरी थाना क्षेत्र के दलदल सिवनी में दो युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद तीन-चार लड़कों ने मिलकर दो युवकों की जमकर पिटाई कर दी। इस मामले में घायल दोनों युवक के शरीर पर कई जगहों पर चोटें आई हैं।

जुलाई में करीब 270 जगह मारपीट और 14 चाकूबाजी: रायपुर पुलिस के मुताबिक, जुलाई महीने में शहर में 270 जगह मारपीट की घटनाएं हुई थी। जिनमें से 14 जगह चाकूबाजी की वारदात हुई। हालांकि पुलिस का दावा है कि पिछले साल के मुताबिक इस साल वारदातों में 6 प्रतिशत की कमी आई है।

एसपी ने 2 आरक्षकों को किया बर्खास्त

बिना सूचना दिए लंबे समय से ड्यूटी से थे गायब, पुलिसकर्मियों को मिली सख्त हिदायत

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में बिना सूचना के ड्यूटी से गायब रहने वाले 2 आरक्षकों को एसपी राजेश अग्रवाल ने बर्खास्त कर दिया है। पुलिस विभाग में पदस्थ पुलिसकर्मियों को सख्त हिदायत दी है कि काम में लापरवाही बरतने पर जरूर कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, रक्षित केंद्र बलरामपुर में पदस्थ आरक्षक दिलीप कुमार और सनवाल थाने में पदस्थ आरक्षक नन्हे सिंह दर्रो बिना किसी को सूचना दिए अनधिकृत रूप से लंबे दिनों तक ड्यूटी पर नहीं आ रहे थे। इसकी शिकायत एसपी तक पहुंची।

जांच में सही मिली शिकायत: जिसके बाद पुलिस कप्तान ने मामले की जांच करने के लिए एक स्पेशल टीम गठित की। विभागीय जांच के बाद दोनों आरक्षकों पर लगे आरोप सही पाए गए। शुरुआती जांच में पता चला कि, कुछ महीने से दोनों आरक्षक ड्यूटी से नदारत हैं। जिस पर एसपी ने एक्शन लिया है।

पुलिसकर्मियों को सख्त हिदायत: इस कार्रवाई के बाद पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने सभी थानों में तैनात पुलिसकर्मियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे पुलिसिया कार्यशैली में कसावट लाएं और काम में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें। बिना अनुमति के ड्यूटी से गायब न रहें। ऐसा पाए जाने पर उनके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक ने बाइक सवारों को कुचला, 2 मौत

अनुकंपा नियुक्ति के लिए दस्तावेज बनवाने जा रहे थे, पड़ोसी की भी गई जान

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में ट्रक ने बाइक सवार 2 लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर और दूसरे की अस्पताल ले जाते वक्त मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से भाग नहीं सका पकड़ा गया। घटना पूंजीपथरा थाना क्षेत्र के गेरवानी रोड की है।

मिली जानकारी के मुताबिक लैलूंगा थाना क्षेत्र के सलहिया पारा निवासी अंकित केरकेट्टा (22) अपने पड़ोसी सुनील केरकेट्टा (30) के साथ बाइक से रायगढ़ आ रहा था। दोनों साथी रायगढ़-घरघोड़ा मार्ग पर स्टार ढाबा के पास पहुंचे ही थे कि तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी।

हादसे में अंकित की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद सुनील को अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी उसने भी दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

दोनों रायगढ़ आ रहे थे: बताया जा रहा है कि अंकित केरकेट्टा अनुकंपा नियुक्ति के काम के लिए अपने पड़ोसी युवक के साथ रायगढ़ आ रहा था। अंकित केरकेट्टा के पिता सुभरा पंचायत लैलूंगा के स्कूल में शिक्षक थे। पिता के निधन के बाद अंकित अनुकंपा नियुक्ति के लिए दस्तावेज तैयार कर रहा था।

भाग नहीं सका आरोपी चालक: स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई थी। ऐसे में आरोपी चालक वहां से भाग नहीं सका। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस इलाके में गाड़ियों की रफ्तार तेज रहती है, जिससे आए दिन हादसे होते रहते हैं।

पति ने चरित्र-शंका में पत्नी को मारा चाकू

अंतड़ियां निकल आई बाहर, घर से तालाब की ओर भागी तो बची जान, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पति ने चरित्र शंका को लेकर अपनी पत्नी के पेट पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसकी अंतड़ियां बाहर निकल आई। गंभीर हालत में उसे इलाज के लिए अंबिकापुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना कापू थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, ग्राम कदमडोढ़ी निवासी मरियम लकड़ा (28) अपने पति संजय लकड़ा और बच्चों के साथ सो रही थी। सोमवार सुबह करीब 4 बजे एकाएक पति उठा और चरित्र शंका की बात को लेकर उसके पेट पर 2 बार चाकू से वार कर दिया। जिससे उसकी अंतड़ी बाहर आ गई। घटना के बाद वो चीखते-चिल्लाते हुए घर से बाहर तालाब की ओर भागी, तब इसकी जानकारी उसके जेठ-जेठानी को लगी। वो उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां से उसे अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है।

पहले भी हो चुका है विवाद: बताया जा रहा है कि, चरित्र शंका की बात को लेकर आए दिन उनके बीच विवाद होते रहता था। तब किसी तरह उनके परिजन समझाइश दे दिया करते थे, लेकिन इस बार उसने चाकू से जनलेवा वार कर दिया। संजय लकड़ा शराब पीने का भी आदी है।

आरोपी पति गिरफ्तार: कापू थाना प्रभारी नारायण सिंह मरकाम ने बताया कि, घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। मामले की सूचना मिलते ही आरोपी के खिलाफ अपराध कायम किया गया। अब उसे अंबिकापुर से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

डेंगू से युवक की मौत

इलाज के दौरान तोड़ा दम, कुछ दिन पहले मां की भी जा चुकी है जान

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में डेंगू से पीड़ित मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक का बिलासपुर में इलाज चल रहा था। जहां दम तोड़ दिया। कुछ दिन पहले ही उसकी मां की भी बीमारी के चलते मौत हो गई थी। जिले में पिछले डेंगू के 36 केस मिल चुके हैं। दरअसल, मुड़ापार बस्ती निवासी बबलू चंद्रा को डेंगू पॉजिटिव आने के बाद मेडिकल कॉलेज कोरबा में भर्ती कराया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर बिलासपुर रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान बबलू ने दम तोड़ दिया।

इन इलाकों में मिल रहे मरीज: एसईसीएल के सुभाष ब्लॉक, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, मुड़ापार आरपी नगर, एमपी नगर जैसे क्षेत्र में बड़ी संख्या में डेंगू फैला हुआ है। लोग बीमार होकर मेडिकल कॉलेज कोरबा और आसपास के निजी चिकित्सालय और क्लीनिक में इलाज करवा रहे हैं।

घर-घर सर्वे किया जा रहा: स्वास्थ्य अधिकारी एस एन केसरी ने बताया कि, जिस क्षेत्र में डेंगू के मरीज पाए गए हैं, उस क्षेत्र में नगर निगम से मिलकर बैठक की गई। प्रभावित क्षेत्रों में छिड़काव किया जा रहा है। घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है। जिनकी तबीयत अधिक खराब है, उनका डेंगू और मलेरिया चेक किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग लगातार कैंप लगाकर जांच कर रही है।

मकान से 6 युवतियां और एक बुजुर्ग गिरफ्तार

सेक्स रैकेट चलाने का शक, कॉलोनी के लोगों ने किया बवाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस ने एक मकान से 6 युवतियां और एक बुजुर्ग को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि कॉलोनी वालों के हंगामे के बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि युवतियों के कमरे में लड़कों का आना जाना था, इसलिए सेक्स रैकेट की आशंका जताई जा रही है।

मामला टिकरापारा के सारस्वत कॉलोनी का है। बताया जा रहा है कि सारस्वत कॉलोनी के एक मकान में ये युवतियां किराए से रहती हैं। यहां पर लगातार देर रात तक लड़कों का आना-जाना लगा रहता था। कॉलोनी के लोगों को अवैध गतिविधियों का शक हुआ।

घर में 6 युवतियां और 60 साल का बुजुर्ग मिला: इसके बाद कॉलोनी के लोग एकत्रित हुए। संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए कॉलोनी वालों ने हंगामा कर दिया। सूचना पर पुलिस पहुंची। इस दौरान पुलिस को मकान के भीतर 6 युवतियां और 60 साल का बुजुर्ग मिला।

एक युवक समेत युवतियां अरेस्ट: टिकरापारा पुलिस सातों लोगों को थाने लेकर आई। इनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है। हालांकि टिकरापारा पुलिस ने इस कार्रवाई को लेकर किसी भी तरह की जानकारी नहीं दी है। इसके पहले भी मुजगहन के बोरियाखुर्द में और तेलीबांधा में संदिग्ध महिलाएं और कुछ लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

अस्पताल की 5वीं मंजिल से मरीज ने लगाई छलांग

सिर फटने से हुई मौत, माइग्रेन की थी शिकायत, ओडिशा से इलाज कराने रायपुर आया था

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर के मेडलाइफ अस्पताल से कूदकर एक मरीज ने जान दे दी है। मरीज ओडिशा से रायपुर इलाज के लिए आया था। उसे माइग्रेन की शिकायत थी। रविवार शाम को अचानक उसने पांचवी मंजिल से छलांग लगा दी।

जमीन पर गिरते ही उसका सिर फट गया और मौत हो गई। फिलहाल सुसाइड की वजह साफ नहीं हो पाई है। घटना तेलीबांधा थाना इलाके की है।

पुलिस के मुताबिक, 60 साल का राम बिस्वाल 22 अगस्त को अपने परिचित के साथ रायपुर आया था। उसे मेडलाइफ अस्पताल के जनरल वार्ड में भर्ती किया गया था। उसका एक अटेंडेंट रविवार दोपहर तक उसके साथ मौजूद था, फिर वह घर चला गया था। जिसके बाद राम बिस्वाल अकेला था।

सीसीटीवी में टहलते दिखा राम बिस्वाल: अस्पताल के पांचवें फ्लोर के जनरल वार्ड में शाम करीब 5 बजे राम बिस्वाल बिस्तर से उठकर टहल रहा था। वह कुछ सेकेंड तक इधर-उधर देखा है, फिर खिड़की के पास चला जाता है।

खिड़की के पास जाकर उसे खोलने की कोशिश करता है लेकिन लॉक नहीं खुलता है। ये घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई।

खिड़की के ऊपर चढ़कर कूदा: इसके बाद वह कांच से नीचे की ओर झांकता है। फिर तेजी से खिड़की के ऊपर चढ़ गया। खिड़की का ऊपरी हिस्सा खुला हुआ था, इसी जगह से वह बाहर निकलकर नीचे कूद जाता है। जमीन पर गिरते ही उसका सिर फट गया, जिससे आसपास खून बिखर गया। इस घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

अस्पताल प्रबंधन ने तेलीबांधा पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने इस पूरी घटना की जांच पड़ताल की है। मामले में अस्पताल के स्टाफ और परिजनों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने मृतक राम के शव को मर्चुरी में रखवा दिया है। आज पोस्टमर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जायेगा।

ओडिशा के बरगढ़ में खेती किसानी करता था: मृतक राम बिस्वाल मूल रूप से ओडिशा के बरगढ़ का रहने वाला था। वो यहां पर खेती किसानी करता था। उसकी एक बेटी है। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के लोग रायपुर पहुंचे। फिलहाल सुसाइड की वजह साफ नहीं हो पाई है। वहीं इस पर अस्पताल प्रबंधन ने भी कोई बयान नहीं दिया है। रायपुर में राजेंद्र नगर स्थित एक प्राइवेट अस्पताल की तीसरी मंजिल से एक व्यक्ति ने छलांग लगा दी थी। 23 नवंबर 2023 को यह घटना हुई जिसमें मरीज की मौत हो गई थी।

डबरी में डूबने से 2 बच्चों की मौत

मां के साथ पानी भरने गए थे मासूम, खेलते-खेलते अचानक हुए लापता

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में रविवार की शाम दो मासूम बच्चों की डबरी में डूबने से मौत हो गई। घटना भानपुरी थाना क्षेत्र में ग्राम पिपलावंड की है। हादसे से गांव में मातम छा गई, वहीं परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मामले की जानकारी देते हुए भानपुरी थाना प्रभारी ने बताया कि पिपलावंड निवासी बुलकु राम बघेल की साढ़े 3 साल की बेटी ईश्वरी बघेल और नंदो राम कश्यप का 4 साल का बेटा विकास कुमार कश्यप मां के साथ नल में पानी भरने के लिए गए हुए थे।

अचानक गायब हुए बच्चे: पानी भरने के दौरान अचानक ईश्वरी और विकास वहां से गायब हो गए। महिला ने दोनों की काफी खोजबीन की, लेकिन दोनों दिखाई नहीं दिए। महिला ने इसकी जानकारी परिजनों को दी, जिसके बाद दोनों बच्चों की खोजबीन की गई।

भाजपा बोली-कंगना को किसान आंदोलन पर बोलने की इजाजत नहीं

भोपाल (एजेंसी)। भाजपा ने एक्ट्रेस-सांसद कंगना रनोट के उस बयान से खुद को अलग कर लिया है, जिसमें उन्होंने किसान आंदोलन के दौरान रेप-मर्डर होने की बात कही थी। सोमवार को भाजपा की प्रेस रिलीज जारी की। इसमें लिखा है- पार्टी कंगना के बयान से असहमत है। उन्हें पार्टी के नीतिगत मुद्दों पर बोलने की इजाजत नहीं है। वे पार्टी की तरफ से बयान देने के लिए अधिकृत भी नहीं हैं। भाजपा ने कंगना को हिदायत दी है कि वे इस मुद्दे पर आगे कोई बयान न दें। पार्टी स्टेटमेंट में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के सिद्धांत पर चलने की बात कही गई है। भाजपा की प्रेस रिलीज पर शिवसेना (उद्धव गुट) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि न तो यह भाजपा के लेटरहेड पर है, न इस पर किसी के दस्तखत है। यह भाजपा के सोशल मीडिया हैंडल्स पर भी नहीं है। उन्होंने भाजपा को टैग करके लिखा कि इसके पीछे कोई वजह है या यह भी एक जुमला है।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी की बेटी को रेप की धमकी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद और पार्टी में नंबर-2 अभिषेक बनर्जी की 11 साल की बेटी को रेप की धमकी की बात सामने आई है। इसको लेकर पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने खुद नोटिस लिया है। कोलकाता रेप-मर्डर केस के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो आया था। प्रोटेस्ट में आए एक शख्स ने अभिषेक बनर्जी की बेटी को रेप की धमकी दी। शख्स ने सार्वजनिक रूप से ये भी कहा कि इस काम को अंजाम देने वाले को 10 करोड़ का इनाम दिया जाएगा। 8 अगस्त की रात आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में लड़की की अर्धनग्न बॉडी मिली थी। घटना को लेकर पूरे देश में डॉक्टर विरोध कर रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को काम पर लौटने की अपील की थी।

भीलवाड़ा में डंडे के बल पर बाजार बंद करवाए

भीलवाड़ा (एजेंसी)। धार्मिक स्थल के बाहर पशु अवशेष मिलने के बाद भीलवाड़ा शहर का माहौल गरमा गया है। पिछले दो दिन से लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। सोमवार को भीड़ ने डंडे के बल पर बाजार बंद कराए। बाजार में पत्थरबाजी भी की गई। इसके बाद परशुराम सर्किल पर लोग जुटे। यहां से कलेक्ट्रेट की ओर भीड़ बढ़ने लगी। फौरन पुलिस एक्टिव हुई और लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा। परशुराम सर्किल पर प्रदर्शन जारी है। माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। पूरा इलाका छावनी में तब्दील कर दिया गया है। सोमवार सुबह 11.30 बजे से शाम 4 बजे के बीच कई बार पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। शाम 4 बजे लोग कलेक्ट्री की तरफ बढ़े तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर उन्हें खदेड़ा। लोगों की तरफ से पुलिस पर भी पथराव किया गया। जानकारी के अनुसार कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। पथराव और लाठीचार्ज में कुछ लोगों के मामूली घायल होने की भी सूचना है। जानकारी के अनुसार, 25 अगस्त की सुबह करीब साढ़े दस बजे कोतवाली थाना इलाके के भवानी नगर में स्थित धार्मिक स्थल के बाहर पशु अवशेष फेंककर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया था। दोपहर करीब एक बजे गुस्साए लोग भवानी नगर चौराहे पर जुट गए। इस भीड़ में सांसद दामोदर अग्रवाल और संत महामंडलेश्वर हंसाराम भी शामिल हो गए थे। उन्होंने आरोपियों को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की।

लाल सागर में चार दिन से जल रहा जहाज, ग्रीस के ऑयल कंटनेर पर हूतियों ने किया था हमला

अब तेल के रिसाव का खतरा

यमन (एजेंसी)। लाल सागर में ग्रीस के एक जहाज पर चार दिन से आग लगी हुई है। इस जहाज पर गुरुवार को यमन के हूती विद्रोहियों ने हमला किया था। इसके बाद जहाज पर आग लग गई थी, जिसे अभी तक नहीं बुझाया जा सका है। लाल सागर में यूरोपियन यूनियन की नौसेना के एस्पाइड्स मिशन ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट पर यह जानकारी दी। एस्पाइड्स मिशन टीम ने जहाज के डेक से धुआं निकलते हुए फोटो शेयर की है। जहाज के मुख्य डेक पर पांच जगह आग लगी हुई है। इसके अलावा, जहाज के सुपरस्ट्रक्चर का एक हिस्सा भी आग की चपेट में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहाज पर 1.5 लाख टन क्रूड ऑयल है। जहाज के क्षतिग्रस्त होने से तेल रिसाव हो सकता है, जिससे पर्यावरण को भी खतरा है। फिलहाल जहाज से तेल लीक होने की कोई सूचना नहीं है। हूती विद्रोहियों ने गुरुवार को इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। ईरान से जुड़े हूती विद्रोहियों का एक समूह, इजराइल - हमास के बीच जारी जंग में फिलीस्तिनियों के समर्थन में हमले कर रहा है। वह इजराइल पर युद्ध रोकने का दबाव बना रहा है।

पिछले कुछ महीनों में हूती विद्रोहियों ने लाल सागर और उसके आसपास 100 से ज्यादा हमले किए हैं। इन हमलों से बचने के लिए नवंबर से दुनियाभर के कॉमर्शियल जहाज लाल सागर के बदले अफ्रीका से होते हुए गुजर रहे हैं। इसके साथ ही हूती विद्रोही हिंद महासागर में भी हमले कर रहे हैं। हूती विद्रोहियों ने जून में यूएन एजेंसी से जुड़े 9 लोगों को बंधक भी बना लिया था। बंधक बनाए गए लोगों में यूएन ह्यूमन राइट्स एजेंसी, वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के स्टाफ और यूएन के स्पेशल एम्बेसडर के कार्यालय में काम करने वाला एक व्यक्ति भी शामिल था।

जम्मू भाजपा दफ्तर में टिकट कटने वालों का हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने सोमवार को कैंडिडेट्स की 3 लिस्ट जारी की। पहली लिस्ट सुबह 10 बजे आई। इसमें 3 फेज के 44 कैंडिडेट्स के नाम थे, लेकिन इसे थोड़ी ही देर में डिलीट कर दिया गया। पहली लिस्ट के आते ही जम्मू भाजपा दफ्तर में कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन शुरू हो गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि पार्टी ने पैराशूट प्रत्याशी उतार दिए हैं। इसके बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना अपने केबिन में चले गए और दरवाजा बंद कर लिया। थोड़ी देर बाद बाहर निकले और कहा- परेशान ना हों, सभी से पर्सनली बात करूंगा। बात हाईकमान तक पहुंची। पहली लिस्ट जारी होने के 2 घंटे बाद 12 बजे एक और लिस्ट आई, इसमें सिर्फ फर्स्ट फेज के 15 कैंडिडेट्स के नाम थे। रविंद्र रैना ने कहा, अभी फोकस 18 सितंबर को होने वाली फर्स्ट फेज की वोटिंग पर है। मैं हर कार्यकर्ता से पर्सनली बात करूंगा। इसके बाद 2 बजकर 45 मिनट पर एक और लिस्ट आई। इसमें सिर्फ एक नाम था। कोंकरनाग से चौधरी रोशन हुसैन के नाम की घोषणा की गई। जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों के लिए 18 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच 3 चरणों में मतदान होंगे। नतीजे 4 अक्टूबर 2024 को आएंगे। जीत के लिए बहुमत का आंकड़ा 46 है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, आरोपी संजय ने जुर्म कबूला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय ने पॉलीग्राफ टेस्ट में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। संजय ने कहा कि उसने रेप के बाद ट्रेनी डॉक्टर का मर्डर किया था। घटना को अंजाम देने से पहले वो रेड लाइट एरिया गया था। रास्ते में भी एक लड़की को छेड़ा और गर्लफ्रेंड से न्यूड तस्वीरें मांगी थीं। संजय ने एक दिन पहले 25 अगस्त को पॉलीग्राफ टेस्ट में ये सारी बातें कही हैं। पुलिस कस्टडी में भी संजय ने रेप और मर्डर की बात स्वीकार की थी। संजय का यह कबूलनामा मर्डर और रेप के 18 दिन बाद आया है। 8 और 9 अगस्त की रात आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में लड़की की अर्धनग्न बॉडी मिली थी।

1. सीबीआई और सेंट्रल फोरेंसिक टीम के मेंबर्स ने रविवार (25 अगस्त) को 3 घंटे संजय का पॉलिग्राफ टेस्ट किया। संजय ने कबूला कि उसी ने ट्रेनी डॉक्टर का रेप करने के बाद हत्या की थी।

2. संजय ने पॉलीग्राफ टेस्ट के दौरान सीबीआई को बताया कि उसने 8 अगस्त को अपने एक दोस्त के साथ शराब पी थी। इसके बाद वह रेड लाइट एरिया गया। रास्ते में उसने एक लड़की को मॉलेस्ट किया। इसके बाद संजय ने देर रात अपनी गर्लफ्रेंड से वीडियो कॉल पर बात की न्यूड तस्वीरें मांगीं।

3. संजय ने बताया कि सुबह करीब 4 बजे संजय हॉस्पिटल के सेमिनार हॉल पहुंचा, जहां ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर के बाद वह सुबह अपने दोस्त के घर गया। उसका दोस्त कोलकाता पुलिस में ऑफिसर था।

दिल्ली में भाजपा नेताओं से मिल सकते हैं चंपाई सोरेन

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन आज एक बार फिर दिल्ली दौरे पर हैं। बताया जा रहा है कि वे यहां बीजेपी के बड़े नेताओं से मुलाकात करेंगे। दिल्ली पहुंचने पर बीजेपी नेताओं से मिलने और बीजेपी में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि %मैं अपने काम से 2 दिन के लिए दिल्ली आया हूं। अभी कोई फैसला नहीं लिया है। आगे क्या करूंगा बाद में बताऊंगा। अगर भाजपा नेताओं से मुलाकात के दौरान बात बनती है तो वे झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी और मंत्री पद से इस्तीफा भी दे सकते हैं। इधर, असम के मुख्यमंत्री और भाजपा झारखंड प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, %मैं चाहता हूं कि चंपाई सोरेन भाजपा में आएं और हमें ताकत दें। चंपई सोरेन के सामने 3 रास्ते हैं, वो अभी दिल्ली में हैं उनके साथ बातचीत का रास्ता खुला है आगे जाकर क्या होता है देखते हैं। मैं तो चाहता हूं हेमंत सोरेन भी भाजपा में आएं। चंपाई सोरेन 25 अगस्त की शाम ही खड़गपुर होते हुए कोलकाता चले गए थे। उनके साथ उनके दोनों बेटे बाबूलाल सोरेन और वकील सोरेन भी हैं। उनके प्रेस सलाहकार चंचल गोस्वामी भी साथ हैं। ऐसे में अटकलों का बाजार एक बार फिर गर्म हुआ है।

बदलापुर यौन-शोषण केस, आरोपी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

मुंबई/बदलापुर (एजेंसी)। ठाणे के बदलापुर में 2 बच्चियों के साथ यौन शोषण मामले में गिरफ्तार आरोपी अक्षय शिंदे को सोमवार सुबह कल्याण कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने आरोपी को 17 अगस्त को गिरफ्तार किया था। उसे 21 अगस्त तक कस्टडी में रखा था। इसके बाद लोअर कोर्ट ने उसे आज यानी 26 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में भेजा था। इधर, महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने स्कूल के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि घटना वाले दिन का सीसीटीवी फुटेज गायब है। कुल 15 दिन का फुटेज डिलीट किया गया है। दरअसल, 12-13 अगस्त को एक निजी स्कूल में केजी क्लास की 2 बच्चियों से यौन शोषण की घटना हुई थी। मामले की जानकारी 20 अगस्त को सामने आई।

महाराष्ट्र सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम को मंजूरी दी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करने का ऐलान किया है। दो दिन पहले 24 अगस्त को केंद्र सरकार न्यू पेंशन स्कीम में सुधार कर यूपीएस लेकर आई थी। यूपीएस एक अप्रैल 2025 से लागू होगी। केंद्र सरकार ने कहा था कि, राज्य सरकार चाहें तो वे भी इसे अपना सकती हैं। जिसके बाद महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने रविवार (25 अगस्त) को इसकी मंजूरी दे दी। केंद्र की इस योजना को अपने राज्य में लागू करने वाला महाराष्ट्र पहला राज्य बन गया है। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के फैसले के अनुसार, यूपीएस इस साल मार्च से प्रभावी होगी

मैं चाहता हूं चंपई सोरेन और हेमंत सोरेन भाजपा में शामिल हों, सीएम सरमा के बयान से गरमाई सियासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के सीएम और झारखंड बीजेपी प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता चंपई सोरेन और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि झारखंड राज्य की सबसे बड़ी समस्या घुसपैठियों का आना है और बीजेपी इस बारे में हेमंत सोरेन से बात करने के लिए तैयार है। असम के सीएम ने कहा, मैं चाहता हूं कि चंपई सोरेन भाजपा में शामिल हों और हमें ताकत दें

लेकिन वह एक बड़े नेता हैं, मुझे नहीं लगता कि उन पर टिप्पणी करना सही है...मैं चाहता हूं कि हेमंत सोरेन भी भाजपा में शामिल हों। भाजपा का मतलब देशभक्ति है। हम झारखंड में घुसपैठियों को रोकने के लिए हेमंत सोरेन जी से बात करने के लिए भी तैयार हैं। हमें झारखंड को बचाना है। हमारे लिए देश पहले है। आज झारखंड के सामने सबसे बड़ी समस्या घुसपैठिए हैं। हमारी पार्टी का एकमात्र उद्देश्य है कि आप चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करें और झारखंड को घुसपैठियों से मुक्त करें। हमारी केवल ये 2 मांगें हैं। उन्होंने आगे कहा, चंपई सोरेन के पास 3 विकल्प हैं, वह अभी दिल्ली में हैं, उनसे बातचीत का रास्ता खुला है, देखते हैं भविष्य में क्या होता है। अगर वह (हेमंत सोरेन) सितंबर से पहले 5 लाख नौकरियां देते हैं, तो हम उनके साथ हैं।

मोदी ने लद्दाख के लोगों को नए जिलों की सौगात पर दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लद्दाख में प्रशासनिक सुविधाओं को बढ़ाने के लिए पांच नए जिलों का गठन किया है। इन नए जिलों के नाम हैं- जांस्कर, द्रास, शाम, नुब्रा, और चांगथांग। इस फैसले की जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल, एक्स (पहले ट्विटर) पर साझा की। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि लद्दाख में पांच नए जिलों का गठन बेहतर शासन और समृद्धि की दिशा में एक कदम है। उन्होंने लद्दाख के लोगों को बधाई भी दी। गृह मंत्री अमित शाह के पोस्ट का जवाब देते हुए पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लद्दाख

में पांच नए जिलों का निर्माण बेहतर शासन और समृद्धि की दिशा में एक कदम है। ज़ांस्कर, द्रास, शाम, नुब्रा और चांगथांग पर अब अधिक ध्यान दिया जाएगा, जिससे सेवाएं और अवसर लोगों के और भी करीब आएंगे।

अमेरिका में भारतीय मूल के मशहूर डॉक्टर की गोली मारकर हत्या

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के अलबामा राज्य के टस्कालूसा शहर में भारतीय मूल के डॉक्टर डॉ. रमेश बाबू पेरामसेटी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पीड़ित की पहचान आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के निवासी डॉ. पेरामसेटी के रूप में हुई है, जिनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। डॉ. पेरामसेटी 38 साल के अनुभव वाले एक प्रतिष्ठित डॉक्टर थे और उन्होंने लोकल डॉक्टरों की

मदद से क्रिमसन केयर नेटवर्क की स्थापना की थी। वह एक प्रसिद्ध चिकित्सक थे जिन्होंने अमेरिका में कई अस्पतालों का संचालन किया। क्रिमसन केयर नेटवर्क टीम ने सोशल मीडिया पर डॉ. पेरामसेटी की मृत्यु की पुष्टि करते हुए एक बयान जारी किया। बयान में कहा गया, डॉ. रमेश पेरामसेटी के दुखद निधन की जानकारी हमें मिली है। पेरामसेटी परिवार ने इस कठिन समय में प्राइवेसी बनाए रखने का अनुरोध किया है। उन्हें बहुत सारा प्यार और समर्थन मिला है, और हम उनकी इच्छा के अनुसार उन्हें सम्मानित करना जारी रखेंगे।

आंध्र प्रदेश की दवा कंपनी के कारखाने में लगी आग, 3 लोगों की गई जान

नई दिली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में एक दवा कंपनी के कारखाने में लगी आग में झुलसे दो और श्रमिकों की मौत हो गई है, जिससे इस हादसे में मरने वालों की कुल संख्या तीन हो गई है। यह जानकारी सोमवार को एक अधिकारी ने दी। 23 अगस्त को परवाड़ा के जवाहरलाल नेहरू फार्मा सिटी (जेएन फार्मा सिटी) स्थित %सिंजेन एक्टिव इंग्रीडिएंट्स प्राइवेट लिमिटेड% में हुई इस दुर्घटना में झारखंड के एक केमिस्ट और तीन श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अनकापल्ली की पुलिस अधीक्षक एम. दीपिका पाटिल ने बताया कि दो और घायलों की मौत हो गई। एक व्यक्ति की मौत कल रात हुई और दूसरे की मौत आज (सोमवार) सुबह हुई। हादसे में घायल हुए ओयबन खोरा (23) की हालत गंभीर है। लाल सिंह पूर्थी (22) की रविवार रात को मौत हो गई और केमिस्ट के. सूर्यनारायण (35) की सोमवार सुबह मौत हो गई। इससे पहले रॉय अंगिरा (21) की शनिवार को मौत हो चुकी थी।

जदयू नेता विभव राय हत्याकांड में 4 आरोपी गिरफ्तार

बगहा (एजेंसी)। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के जनता दल यूनाइटेड (जदयू) भितहा प्रखंड अध्यक्ष विभव राय की हत्या मामले में पुलिस ने चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। बगहा के पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज ने रविवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि भीताहा थाना के खेरवा पंचायत के वर्तमान मुखिया पति मंटू सिंह, विभव राय हत्याकांड का मुख्य अभियुक्त है। सुशांत कुमार ने बताया कि मंटू सिंह ने पांच लाख रुपए की सुपारी देकर सीमावर्ती उत्तर प्रदेश से चार अपराधियों को बुलाकर इस हत्याकांड को अंजाम दिलाया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मंटू सिंह और विभव राय के बीच वर्चस्व की लड़ाई थी। दोनों के बीच काफी राजनीतिक प्रतिद्वंता भी थी। इसी के चलते मंटू सिंह ने इस हत्या को अंजाम दिलाया। उन्होंने बताया कि मुख्य अभियुक्त मंटू सिंह अभी भी पुलिस की गिरफ्त से फरार है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना में शामिल चार अपराधियों में से रवि प्रकाश, विजय यादव और विकास सिंह को सीमावर्ती कुशीनगर जिला के विभिन्न क्षेत्रों से गिरफ्तार किया गया है जबकि चौथे अपराधी नन्हे सिंह को भीतहा थाना के खेरवा गांव से गिरफ्तार किया गया है। सरोज ने बताया कि घटना में शामिल एक देसी नलकट्टी, तीन कारतूस, हत्या में प्रयुक्त कार और हत्या की सुपारी में ली गई राशि में से एक लाख नगद भी बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार चारों अपराधियों को न्यायिक हिरासत में बगहा जेल भेजा जा रहा है। गौरतलब है कि 07 अगस्त को जदयू भितहा प्रखंड अध्यक्ष विभव राय धनहा थाना के तमकुहा बाजार में एक सैलून में शेविंग करने के लिए बैठे हुए थे तभी बाइक पर सवार अपराधियों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी थी।

राजनाथ सिंह ने अमेरिका में प्रवासी भारतीयों से की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका के टेनेसी राज्य में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ बातचीत की और समाज, विज्ञान और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। सिंह अमेरिका और भारत के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ करने के लिए चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने रविवार को अपनी बैठक के बाद 'एक्स% पर एक पोस्ट में कहा, ''मेम्फिस में भारतीय समुदाय के साथ शानदार बातचीत हुई। समाज, विज्ञान और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उनका योगदान अनुकरणीय रहा है। इससे

पहले दिन में, सिंह ने टेनेसी के मेम्फिस में 'नेवल सरफेस वारफेयर सेंटर के विलियम बी मॉर्गन लार्ज कैविटेशन चैनल का भी दौरा किया। यह विश्व के सबसे बड़े और सर्वाधिक प्रौद्योगीकृत उन्नत जल सुरंगों में से एक है। यहां पनडुब्बियों और अन्य नौसैन्य हथियार प्रणालियों का परीक्षण किया जाता है। भारत में स्वदेशी डिजाइन व विकास के लिए इसी तरह के एक प्रतिष्ठान की स्थापना के प्रस्ताव के बीच उन्होंने जल सुरंग का दौरा किया। सिंह ने मैरीलैंड के कार्डेरॉक स्थित 'नेवल सरफेस वारफेयर सेंटर% का भी दौरा किया और कहा कि उन्होंने वहां महत्वपूर्ण प्रयोग देखा। इससे पहले, सिंह ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की।

आर्मेंड डुप्लांटिस का कमाल, 6.26 मीटर के साथ तीसरी बार तोड़ा पोल वॉल्ट का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्मेंड डुप्लांटिस ने रविवार को पोलैंड में सिलेसिया डाइमंड लीग प्रतियोगिता के दौरान 6.26 मीटर के प्रयास के साथ पोल वॉल्ट में एक बार फिर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। लुईसियाना में जन्में 24 साल के डुप्लांटिस अपनी मां के देश स्वीडन की ओर से प्रतिस्पर्धा करते हैं। डुप्लांटिस ने अपने पिछले वर्ल्ड रिकॉर्ड में एक सेंटीमीटर का सुधार किया। डुप्लांटिस ने इस साल तीसरी बार वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। डुप्लांटिस का पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड भी फरवरी, 2020 में पोलैंड में आया था। उन्होंने कहा था कि, सब कुछ बस मुझे ऐसा करने की अनुमति देने के लिए एक साथ आया। मुझे पता है कि बहुत से लोग मुझे कूदते हुए देखने केलिए यहां आए थे, इसलिए मैं उनके लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था। इस साल मैंने ओलंपिक पर ध्यान केंद्रित किया, रिकॉर्ड स्वाभाविक रूप से आया क्योंकि मैं अच्छी स्थिति में था। इसलिए मैं आज के रिकॉर्ड से हैरान नहीं हूं, लेकिन मैं शुक्रगुजार हूं। हालांकि, दूसरी तरफ भारत के 3000 मीटर स्टीपलचेज के टॉप खिलाड़ी अविनाश साबले रविवार को यहां सिलेसिया डाइमंड लीग में विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के बीच निराशाजनक प्रदर्शन करते हुए 14वें स्थान पर रहे। एशियाई खेलों के चैंपियन 29 साल के साबले ने आठ मिनट 29.96 सेकेंड के समय के साथ 20 धावकों के बीच 14वां स्थान हासिल किया।

नीरज चोपरा एक-दो साल में 93 मीटर दूर तक भाला फेंकेंगे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज पैरा एथलीट देवेंद्र झाझड़िया को लगता है कि स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा के लिए 90 मीटर दूर भाला फेंकना बस समय की बात है और उन्होंने भविष्यवाणी की कि वह एक या दो साल में 93 मीटर दूर भाला फेंक सकते हैं। चोपड़ा ने इस महीने की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता था।

उन्होंने गुरुवार को फिर से लुसाने डायमंड लीग में 89.49 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। झाझड़िया खुद पैरा भाला फेंक के दिग्गज हैं और जिन्होंने एफ46 श्रेणी में दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने कहा कि जब चोपड़ा 90 मीटर की बाधा को पार करेंगे तो वह इसे बड़े अंतर से पार करेंगे जिसमें वह तीन से चार मीटर से आगे होंगे। झाझड़िया (43 वर्ष) ने पीटीआई से कहा, ''अगर मैं भाला फेंक की में कहूं तो 89 से अधिक मीटर इस वक्त नीरज के लिए एक 'बैरियर' बन गया है। मैंने अपने 20 साल के खेल करियर में देखा है कि जब कोई 'बैरियर' टूटता है तो वह महज एक मीटर या उससे कम से नहीं बल्कि तीन से चार मीटर से टूटता है।'' उन्होंने कहा, ''जब नीरज ऐसा करेंगे तो वह सिर्फ 90 मीटर से नहीं बल्कि तीन से चार मीटर दूर तक भाला फेंकेगे। मेरे शब्दों को याद रखना।'' मार्च में भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष चुने गए झाझड़िया ने कहा, ''उम्र उनके पक्ष में है, 26 साल कोई उम्र नहीं है और मुझे उम्मीद है कि जब वह 28 या 29 साल के होंगे तब वह अपने शिखर पर होंगे। तब तक वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''वह बहुत अनुशासित और बहुत समर्पित हैं। मैंने यह तब देखा है जब हमने 2022 में फिनलैंड में साथ में ट्रेनिंग की थी।

संन्यास के बाद अब इस लीग से जुड़े शिखर धवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के गब्बर यानी शिखर धवन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। जिसके बाद वो सोमवार 26 अगस्त को लीजेंड्स लीग क्रिकेट से जुड़ गए हैं। 38 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज अब आईपीएल के बाहर टी20 लीग में हिस्सा ले सकते हैं। धवन ने भारत के लिए 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने कुल 12,286 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए हैं। लीजेंड्स लीग क्रिकेट का आयोजन सितंबर में किया जाएगा। शिखर धवन ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट से जुड़ने पर कहा, मेरा शरीर अभी भी खेल की मांगों के लिए तैयार है।

मैं अपने निर्णय से सहज हूं और क्रिकेट मेरे व्यक्तित्व का अभिन्न अंग है। ये मुझसे कभी भी नहीं छूटेगा। मैं अपने क्रिकेट मित्रों के साथ फिर से जुड़ने और अपने फैंस का मनोरंजन जारी रखने के लिए उत्सुक हूं। हम साथ मिलकर नई यादें बनाएंगे। वहीं लीजेंड्स लीग के सह संस्थापक रमन रहेजा ने लीग में शिखर धवन का स्वागत किया है।

इस दौरान उन्होंने कहा है कि, शिखर धवन के हमारे साथ जुड़ने से हम रोमांचित हैं।

सूर्यकुमार, श्रेयस और सरफराज पर रहेगी निगाहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अपना टेस्ट करियर पटरी पर लाने के लिए बुची बाबू क्रिकेट टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे जिसमें उनकी टीम मुंबई मंगलवार से यहां शुरू होने वाले मैच में टीएनसीए एकादश का सामना करेगी। श्रेयस अय्यर भी मुंबई की टीम का हिस्सा हैं और वह भी सत्र की शुरुआत में होने वाले इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने की कोशिश करेंगे। अय्यर ने अपना आखिरी टेस्ट मैच फरवरी में खेला था। कई स्टार खिलाड़ियों से सजी मुंबई की टीम का नेतृत्व सरफराज खान करेंगे जिनके लिए सभी शीर्ष खिलाड़ियों की वापसी के बाद टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं होगा। सरफराज ने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करके अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था।

विराट कोहली, केएल राहुल और ऋषभ पंत अलग-अलग कारण से इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे लेकिन उनके बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से चेन्नई में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहने की संभावना है। बुची बाबू क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दौर के मैच में सभी का ध्यान निश्चित तौर पर सूर्यकुमार पर रहेगा जिन्होंने अपना एकमात्र टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फरवरी 2023 में खेला था। सूर्यकुमार ने इसके बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। बुची बाबू टूर्नामेंट सूर्यकुमार और अन्य स्टार खिलाड़ियों के लिए दलीप ट्रॉफी के लिए अभ्यास का काम करेगा। दलीप ट्राफी पांच सितंबर से शुरू होगीं। सूर्यकुमार ने अपना अंतिम प्रथम श्रेणी मैच पिछले साल दलीप ट्राफी में ही खोला था। तब वह चार पारियों में केवल 71 रन बना पाए थे। सरफराज ने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने पांच पारियों में 50 की औसत से 200 रन बनाए जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं।

विनेश फोगाट कांग्रेस में होंगी शामिल! हरियाणा के पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला स्टार रेसलर विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक से खाली हाथ लौटीं। उन्हें 100 ग्राम ज्यादा वजन के कारण गोल्ड मेडल मैच से पहले ही डिसक्वालिफाई कर दिया गया। जिसके बाद विनेश के साथ पूरे देश का दिल टूट गया। हालांकि, जब वो स्वदेश लौंटी तो उनका स्वागत विजेताओं की तरह किया गया। इसी बीच, खबरें आ रही हैं कि विनेश राजनीति ज्वाइन करेंगी। जैसे ही विनेश फाइनल गोल्ड मेडल मैच से बाहर हुईं तो इस दौरान उन्होंने कुश्ती को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। शुक्रवार 23 अगस्त 2024 को खबरें आईं कि विनेश फोगाट कांग्रेस में शामिल हो सकती हैं। दरअसल, विनेश फोगाट जब पेरिस से स्वदेश लौटी थीं तो दिल्ली एयरपोर्ट पर उनसे कांग्रेसी नेता दीपेंद्र हुड्डा ने मुलाकात की। विनेश के दिल्ली एयरपोर्ट से अपने गांव बलाली जाने के दौरान दीपेंद्र काफी समय तक विनेश के साथ ही रहे। 22 अगस्त को खबर आई कि विनेश फोगाट ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा से मुलाकात की। इसके बाद 23 अगस्त को खबर आई की विनेश प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात कर सकती हैं। हालांकि, विनेश के कांग्रेस ज्वाइन करने के सवाल को भूपिंदर सिंह हुड्डा ने काल्पनिक बताया। हरियाणा के पूर्व सीएम और नेता प्रतिपक्ष भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि, ये एक काल्पनिक सवाल है। एथलीट सिर्फ एक पार्टी के नहीं होते, वे पूरे देश के होते हैं। अगर कोई पार्टी में शामिल होता है तो आपको पता चल जाएगा। जो भी पार्टी में शामिल होता है हम उसका स्वागत करते हैं। लेकिन ये एक काल्पनिक सवाल है। ये उन पर निर्भर करता है। आज उनके साथ अन्याय हुआ है, उन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। उन्हें राज्यसभा में मनोनीत किया जाना चाहिए।

शाकिब अल हसन फिर सभी फॉर्मेट से होंगे बैन?

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के सीनियर ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। शाकिब अल हसन इन दिनों पाकिस्तान के रावलपिंडी में हैं, जहां दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। बांग्लादेश ने पहला टेस्ट मैच 10 विकेट से अपने नाम किया और इस दौरान शाकिब अल हसन का रोल भी इस जीत में अहम रहा। हालांकि, शाकिब दूसरा टेस्ट खेलेंगे या नहीं इसको लेकर सस्पेंस बना हुआ है। दरअसल, बांग्लादेश में हुए हिंसक प्रोटेस्ट के दौरान शाकिब पर एक मर्डर का आरोप लगा है, जिसको लेकर शिकायत भी दर्ज कराई गई है। क्रिकबज की एक खबर के मुताबिक बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को एक लीगल नोटिस भेजा गया है, जहां वकीलों ने बीसीबी से कहा है कि शाकिब अल हसन को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से बैन कर दिया जाए। शाकिब पर पहले भी बैन लग चुका है। शाकिब बांग्लादेश की 12वीं संसद में आवामी लीग के पूर्व सांसद भी हैं। 37 साल के शाकिब अल हसन उन 147 लोगों में शामिल हैं जिनके खिलाफ अगस्त के शुरू में विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित हत्या के लिए आरोप दायर किए गए हैं। शेख हसीना को इस्तीफा देने और देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला।

पाकिस्तान के खिलाफ पहली टेस्ट जीत विशेष, बांग्लादेश के कप्तान शंटो ने कहा

रावलपिंडी (एजेंसी)। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो ने पाकिस्तान पर अपनी टीम की पहली टेस्ट जीत को देश की मौजूदा परिस्थितियों में 'विशेष' करार दिया। पाकिस्तान पर 10 विकेट की जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस में शंटो ने कहा, ''यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण जीत है क्योंकि पिछले महीने बांग्लादेश में हमारे लिए परिस्थितियां कठिन थी। वहां अब भी कुछ समस्याएं हैं, लेकिन बांग्लादेश में हम एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और मुझे खुशी है कि इस जीत से उनके चेहरे पर थोड़ी मुस्कान आई है।'' उन्होंने कहा, ''हम अपने प्रदर्शन से खुश हैं और हम दूसरे मैच में भी अपने लोगों को और अधिक खुशी देना चाहते हैं। यह हमारे लिए विशेष जीत थी, विशेषकर यह देखते हुए कि हमने यहां की गर्म परिस्थितियों और पिच के साथ कैसे तालमेल बिठाया।'' शंटो ने कहा कि उन्हें अंतिम दिन मैच जीतने का भरोसा था क्योंकि पिच पर खेलना मुश्किल होता जा रहा था और उनकी टीम के पास कुछ अनुभवी स्पिनर और अच्छे तेज गेंदबाज थे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि शाकिब और मिराज ने आज परिस्थितियों को देखते हुए बहुत अच्छी गेंदबाजी की और हम जानते थे कि 90 रन की बढ़त के साथ पाकिस्तान अंतिम दिन दबाव में होगा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से इन 3 खिलाड़ियों की होगी छुट्टी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन इसी साल दिसंबर में होने का अंदेशा है। लेकिन इससे पहले 17 सालों से खिताब का सूखा झेल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम बड़े नामों की छुट्टी कर सकती है। दरअसल, कहा जा रहा है कि टीम अपने तीन दिग्गज खिलाड़ी फाफ डु प्लेसिस, कैमरन ग्रीन और ग्लेन मैक्सवेल को रिलीज कर सकती है। बता दें कि, इन तीनों खिलाड़ियों ने पिछले सीजन में कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया था।

मैक्सवेल ने सबसे ज्यादा निराशा किया, 12.25 करोड़ रुपये वाले इस खिलाड़ी ने पिछले सीजन में महज 52 रन ही बनाए थे। आरसीबी ने मैक्सवेल को आईपीएल 2022 के मेगा ऑक्शन से पहले 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। जहां इस ऑलराउंडर ने सीजन 2022 और 2023 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था वहीं 2024 में ये खिलाड़ी फ्लॉप रहा था। उन्होंने 9 पारियों में केवल 52 रन बनाए और सिर्फ 6 विकेट झटके। वह प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बरकरार रखने में नाकामयाब रहे।

फॉफ डुप्लेसिस

आरसबी इस कड़ी में मेगा ऑक्शन से पहले अपने कप्तान को ही रिलीज कर सकती है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने फाफ डुप्लेसिस को आईपीएल मेगा ऑक्शन में 7 करोड़ रुपये ममें अपने साथ जोड़ा था। उन्होंने टीम की कप्तानी की। 2022, 2023 और 2024 में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। 2023 में उन्होंने 730 रन बनाए थे। 2022 में 468 और 2024 में 438 रन बनाए। उन्होंने 3 साल में 45 मैच में 1636 रन बनाए। दो बार टीम प्लेऑफ में भी पहुंची, लेकिन उम्र उनके खिलाफ जाती है। वह 40 साल के हो गए हैं।

कैमरन ग्रीन

कैमरन ग्रीन को आरसीबी ने मुंबई इंडियंस से 17.5 करोड़ रुपये में आईपीएल 2024 से पहले ट्रेड किया था। ग्रीन ने उस तरह प्रदर्शन नहीं किया, जैसा उनसे उम्मीद की गई। उन्होंने 31 की औसत से 255 रन बनाए। वह एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए। गेंदबाजी में उन्होंने 10 विकेट लिए।

मोहन बागान और मुंबई सिटी के बीच मुकाबले के साथ 13 सितंबर को शुरू होगा आईएसएल

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के 2024-25 सत्र की शुरुआत 13 सितंबर को शील्ड विजेता मोहन बागान सुपर जाइंट और कप विजेता मुंबई सिटी एफसी के बीच मुकाबले से होगी। मोहन बागान और मुंबई सिटी एफसी के बीच पिछले सत्र का फाइनल भी खेला गया था। आईएसएल ने रविवार को सत्र के शुरुआती 84 मुकाबलों के कार्यक्रम की घोषणा की जो इस साल के अंत तक चलेंगे।

शुरुआती सप्ताहांत में 14 सितंबर को सत्र में पहली बार एक दिन में दो मुकाबले होंगे जब चेन्नईयिन एफसी की टीम ओडिशा एफसी से उसके मैदान पर खेलेगी जबकि बेंगलुरू एफसी का सामना ईस्ट बंगाल एफसी से होगा। इसके अगले दिन केरल ब्लास्टर्स एफसी की टीम कोच्चि के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में पंजाब एफसी की मेजबानी करेगी। हैदराबाद एफसी की टीम अपना पहला मैच बेंगलुरू एफसी के खिलाफ उसकी सरजमीं पर 19 सितंबर को खेलेगी। हैदराबाद एफसी के मुकाबले हालांकि एफआईएफएफ क्लब लाइसेंसिंग पात्रता को पूरा करने पर निर्भर करेंगे। आईएसएल के आगामी सत्र में 13 टीम हिस्सा लेंगी।

इस बार आईलीग चैंपियन मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब भी प्रतियोगिता का हिस्सा है। आईएसएल की यह नई नवेली टीम अपने अभियान की शुरुआत अपने घरेलू मैदान किशोर भारती क्रीड़ांगन में 16 सितंबर को नॉर्थईस्ट यूनाईटेड एफसी के खिलाफ करेगी। मोहम्मडन स्पोर्टिंग के टूर्नामेंट का हिस्सा बनने के बाद कोलकाता के तीन दिग्गज क्लब खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगे जिसमें मोहन बागान और ईस्ट बंगाल भी शामिल हैं। कोलकाता की तीन बड़ी टीम के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का मतलब है कि सत्र में छह कोलकाता डर्बी होंगी। पहली कोलकाता बर्डी मोहन बागान और मोहम्मडन स्पोर्टिंग के बीच पांच अक्टूबर को होंगी जबकि ईस्ट बंगाल और मोहन बागान की टीमें 19 अक्टूबर को भिड़ेंगी। मोहन बागान सुपर जाइंट ने 2023-24 सत्र में 48 अंक के साथ प्रतिष्ठित आईएसएल लीग शील्ड जीती थी।

भगवान श्रीकृश्ण का जीवन चरित्र हर युग में प्रासंगिक और प्रेरणादायी है : प्रतिमा बागरी

जन्माष्टमी पर केन्द्रीय जेल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई राज्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के मुख्यातिथ्य में सोमवार को केन्द्रीय जेल सतना में जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इसके उपरांत भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना तथा आरती की गई। इस अवसर पर राज्यमंत्री बागरी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने हमें धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया है। धर्म की रक्षा और अधर्मियों का नाश करने स्वयं भगवान को श्रीकृष्ण स्वरूप में पृथ्वी पर आना पड़ा। उन्होंने संसार को पाप, अधर्म, अत्याचार से मुक्त कर धर्म की स्थापना की। राज्यमंत्री ने कहा कि नन्हे कान्हा से योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण बनने के लिए सामान्य मनुष्य की तरह जीवन की अनेक बाधाएं, संघर्ष, दुःख, कष्ट, अपमान तथा पीड़ाओं को सहन करना पड़ा। भगवान श्रीकृष्ण ने संसार को फल की इच्छा छोड़कर केवल अच्छे कर्म कर स्वयं पर विश्वास करने की शिक्षा दी। संसार को भगवान श्रीकृष्ण से मित्रता की जो शिक्षा मिली, वह अनुकरणीय हैं। उनका आदर्श जीवन हर युग में प्रासंगिक और प्रेरणादायी है।

राज्यमंत्री बागरी ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि जेल में जो लोग बंद हैं, वे हमारे ही परिवार के सदस्य हैं, समाज का हिस्सा हैं। वह किसी खराब संगति, घटना-दुर्घटना या कानून का उल्लंघन करने की वजह से जेल में बंद हैं।

जेल में बंद, कैदी रिहा होने के बाद समाज में आम नागरिक जैसा अपना जीवन जीते हैं, वैसे ही अपना जीवन यापन करें। उन्होंने कहा कि कैदियों को जेल में सुधरने के लिए बंद किया जाता है। वह सजा पूरी करने के बाद समाज में साथ आकर सम्मिलित हो सकें, ऐसा ना लगे कि वह समाज से कट गए हैं। इसके लिए सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रवर्चनकर्ता मानस पीठाधीश्वर जगदगुरू श्री रामानंदचार्या, स्वामी श्री रामललाचार्या जी महाराज, जेल अधीक्षक लीना कोष्टा, जेल उप अधीक्षक श्रीकांत त्रिपाठी तथा सोनबीर सिंह कुशवाह, कल्याण अधिकारी अनिरूद्ध तिवारी, सहायक जेल अधीक्षक अभिमन्यु पाण्डेय, सुश्री फिरोजा खातून, जेल स्टाफएवं बंदीगण उपस्थित रहे।

बंदियों द्वारा दी गई भजन और नाटक की प्रस्तुतिः जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर केन्द्रीय जेल सतना में आयोजित कार्यक्रम में बंदियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की स्तुति करते हुए भजनों की प्रस्तुति दी गई। इसके उपरांत बंदियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। अतिथियों द्वारा तालियों के साथ बंदियों का उत्साहवर्धन किया गया।

आकाशीय बिजली गिरने से दो की मौत

खेत गई किशोरी पर गिरी बिजली, युवक बिजली गिरने से झुलसा

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। रविवार को चित्रकूट जिले के विभिन्न हिस्सों में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिससे मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने घटना स्थलों पर पहुंचकर शवों का पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पहली घटना- पहली घटना पहाड़ी थाना क्षेत्र के बक्टा बुजुर्ग गांव में हुई। यहाँ 17 वर्षीय किशोरी हसीना खातून, जो अपने खेत में भैंस चराने गई थी, अचानक आई बारिश और तेज गड़गड़ाहट के बीच आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। हसीना की मौके पर ही मौत हो गई। खेत में काम कर रहे किसानों ने तुरंत उसके परिजनों को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस और राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया।

दूसरी घटना- दूसरी घटना मानिकपुर क्षेत्र के रुखमा खुर्द गांव में घटी, जहां 40 वर्षीय युवा किसान पंकज द्विवेदी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इन घटनाओं से क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। लोग आकाशीय बिजली से बचाव के प्रति सावधान रहने की अपील कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों पर न जाने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

सड़कों पर लगा पानी

राहगीरों को आवागमन में हो रही परेशानी, लोगों ने सड़क निर्माण की मांग

मीडिया ऑडीटर, मऊ निप्र। चित्रकूट के मऊ नगर पंचायत में सड़कें खस्ताहाल होने के कारण जल भराव की समस्या बढ़ गई है। योगी सरकार जहां गड्ढा मुक्त सड़कों का दावा कर रही है, वहीं मऊ नगर पंचायत की जनता गड्ढा युक्त सड़कों से जूझ रही है। वियावल रोड पर लगभग 22 गांवों का आवागमन होता है, जहां सड़क के गड्ढें दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा रहे हैं। इसी प्रकार, टाकीज रोड और पूरबपताई रोड भी खस्ता हालत में हैं, जिससे करीब 12-14 गांवों के लोगों को परेशानी हो रही है।

सड़क पर लग रहा पानी, निकासी की नहीं है व्यवस्थाः नगर पंचायत द्वारा बनाए गए वियावल नाले की ऊंचाई के कारण सड़क का पानी नाले में नहीं जा पाता और सड़क पर जमा रहता है। इससे छात्रों और स्थानीय लोगों का आवागमन बाधित हो रहा है। कई बार ग्रामीणों और नगर पंचायत की जनता ने उच्च अधिकारियों को शिकायती पत्र दिए, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या के समाधान के बिना उनकी परेशानियां और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ता रहेगा। अधिकारियों से शीघ्र कार्रवाई की मांग की जा रही है।

राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया जन्माष्टमी का पर्व

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी की उपस्थिति में हुआ कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सोमवार को जिला स्तर पर महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सतना में श्रीकृष्ण के जीवन से विद्यार्थियों को सीखने-सिखाने वाले दृष्टांतो पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस दौरान प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय में बच्चों द्वारा सुंदर पालना एवं बाल गोपाल की झांकी सजाई गई थी। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा प्रसंग का मंचन कर मित्रता के महत्व को दिखाया गया। शिक्षकों, बच्चों द्वारा भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी गई तथा कार्यक्रम के उद्देश्य अनुरूप भगवान श्री कृष्ण के जीवन से विद्यार्थियों को ली जाने योग्य सीख पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर महापौर योगेश ताम्रकार, नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, कलेक्टर अनुराग वर्मा, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, प्राचार्य व्यंकट क्रमांक-1 सुशील श्रीवास्तव, प्रभारी प्राचार्य एमएलबी रेखा गुप्ता, उत्तम बैनर्जी, कृष्णा पाण्डेय, शैलेन्द्र त्रिपाठी सहित बडी संख्या में छात्रायें उपस्थित रहे।

मैहर के एकलव्य आदिवासी आवासीय विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया जन्माष्टमी का पर्व

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राज्य शासन के निर्देशानुसार सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर एकलव्य आदिवासी आवासीय विद्यालय मैहर के आडीटोरियम में जिला स्तर पर संयुक्त रूप से मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महाकाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गुरूकुल एकेडमी, सीएमराइज, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, एकलव्य आदिवासी आवासीय विद्यालय तथा नेहर सेंचुरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सहभागिता निभाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जलन कर किया गया।

कार्यक्रम में विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, कलेक्टर रानी बाटड, एसडीएम विकास सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल, सहायक संचालक गिरीश अग्निहोत्री, विकासखण्ड शिक्षाधिकारी सुभाष मिश्रा सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सीएम राइज स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन वृतान्तों पर आधारित झांकी सजाई गई। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा प्रसंगों का मंचन कर मित्रता के महत्व को दिखाया एवं समझाया गया। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर संपूर्ण जीवन-काल में आने वाली समस्त विपत्तियों का मानव शक्ति, सोच से सामना किए जाने की लीलाओं का वर्णन कर अलौकिकता से परे मानवीय स्वरूप के गुणों को अपने जीवन में अपनाएं जाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र, दर्शन, आध्यात्म, योग के महत्व तथा श्रीकृष्ण की शिक्षाओं को जीवन में किस तरह अपनाया जा सकता है। भारतीय सांस्कृतिक विरासत व योग दर्शन के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया।

सतना जिले में अब तक 563.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

सतना निप्र। जिले में इस वर्ष 1 जून से 26 अगस्त 2024 तक 563.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 883.6 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 334.9 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 611.8 मि.मी, बिरसिंहपुर में 610 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 393 मि.मी., नागौद में 688.6 मि.मी., जसो (नागौद) में 264.4 मि.मी. एवं उचेहरा में 720 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 435.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

श्रीकृष्ण जन्म-माखनचोरी की लीला देख भाव विभोर हुए श्रद्धालु

संस्कार भारती ने इंदिरा कॉलेज में मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शासकीय इंदिरा कन्या महाविद्यालय के सभागार में संस्कार भारती सतना के तत्वावधान में श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव एवं गुरु सम्मान का गरिमामयी कार्यक्रम हर्ष और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अनुराग वर्मा कलेक्टर सतना उपस्थित रहे जबकि अध्यक्षता आशुतोष गुप्ता पुलिस अधीक्षक सतना ने की। विशिष्ट अतिथि संस्कार भारती के महाकौशल प्रांत के अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी रहे। महाकौशल प्रांत के प्रांत महामंत्री धनराज गुप्ता एवं संस्कार भारती सतना इकाई के अध्यक्ष प्रोफेसर अंजनी पांडे भी मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर किया। इसके पश्चात संस्कार भारती के गीत का गायन पंडित विनोद मिश्रा एवं उनके समूह ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत आयुष मिश्रा के फूलों में सज रहे वृंदावन बिहारी भजन से शुरू हुई।

सतना की प्रसिद्ध नृत्यांगना सुकृति सोनी ने कृष्ण जी के गीत पर आधारित मनमोहक प्रस्तुति दी। गुरु सम्मान परंपरा के क्रम में संस्कार भारती ने सुरेश सोनी, पंडित सुरेंद्र तिवारी एवं उपेंद्र सिंह का सम्मान शॉल एवं श्रीफल देकर किया।

कार्यक्रम के अंत में पंडित रामनरेश शास्त्री केशव नगर शिशु मंदिर के निर्देशन में माखन चोरी, श्रीकृष्ण जन्म की लीला एवं महारास का मनोहारी मंचन किया गया। जिसे देखकर सभी भक्त श्रद्धालु भाव विभोर हो गए।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एकेएस युनिवर्सिटी के डायरेक्टर अनंत सोनी, घनश्याम सोनी, डॉ आरएस त्रिपाठी, शारदा कौशल, समीर खरे, पंकज शुक्ला, प्रोफेसर राखी सिंह सोलंकी, डॉ मनीषा सक्सेना, अमित सोनी, शिबू त्रिपाठी, रामबली पांडे , सत्येंद्र पांडे, अशोक शुक्ला, रंजना गौतम, जान्हवी त्रिपाठी, विद्या पांडे, डॉ अहिल्या सुहाने, संदीप त्रिपाठी, डॉ हरी किरण बाबा, मंजूषा शाह, अनामिका सिंह, स्वाति सिंह, आनंद मुखर्जी, छोटेलाल पांडे एवं रमेश सिंह जाखी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

ग्राम बैहार में स्वास्थ्य योजनाओं का शिविर आज

पीएम जनमन योजना के तहत विशेष शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा वीसी में दिये गये निर्देशानुसार पीएम जनमन योजना में 23 अगस्त से 1 सितम्बर 2024 तक मैहर जिले के ग्राम बैहार ग्राम पंचायत सेमरा विकासखण्ड मैहर एवं ग्राम सेहरूआ नम्बर-2 ग्राम पंचायत सिलपरी विकासखण्ड अमरपाटन में चिन्हित बैगा (पीवीटीजी) ग्रामों में विशेष शिविर लगाये जाकर प्रधानमंत्री जनमन कार्यकम (जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान) अंतर्गत कियान्वयन की जा रही योजनाओं की जानकारी से पीवीटीजी समुदाय को जागरूक/अवगत कराने के लिए प्रचार-प्रसार के निर्देश दिये गये हैं। जनजातीय कार्य विभाग मैहर द्वारा क्रियान्वयन की जा रही विभिन्न विभागीय योजनाओं का समस्त ग्रामों में शत प्रतिशत सेचुरेशन करने के लिए विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये हैं। सभी नोडल अधिकारी अपने विभाग की योजनाओं की चिन्हित पीवीटीजी ग्रामों में पीएम जनमन योजनाओं का शत-प्रतिशत सेचुरेशन करने के लिये निर्देशित किया गया हैं। जिसमें 27 एवं 28 अगस्त को आयुष्मान कार्ड, पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान, पीएम राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम तथा सिकल सेल मिशन, 29 अगस्त को बहुउद्देशीय केन्द्र जनजातीय कार्य विभाग, 30 अगस्त को आधारकार्ड, 31 अगस्त को पशुपालन एवं डेयरी तथा 1 सितंबर 2024 को समग्र शिक्षा के विशेष शिविर आयोजित किये गये है।

रेल्वे मैदान में हॉकी पेनाल्टी शूट आज

राष्ट्रीय खेल दिवस 26 से 31 अगस्त तक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। खेल और युवा कल्याण मंत्रालय एवं संचालनालय खेल और युवा कल्याण भोपाल के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय खेल दिवस 26 से 31 अगस्त 2024 तक खेल पखवाडा दिवस के रूप में मनाया जायेगा। स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग एवं सभी संघ संस्थान खेल दिवस पखवाडा मनायेगे।

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि इस दौरान जिला मुख्यालय में विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 27 अगस्त को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक रेलवे खेल मैदान सतना में हॉकी पेनाल्टी शूट, 28 अगस्त को प्रातः 11 बजे से शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-2 में बालीबाल, 29 अगस्त को दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक प्रियम्बदा बिडला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में फुटबाल तथा प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक सिंधु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में रस्साकशी, 30 अगस्त को प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक प्रियम्बदा बिडला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में बास्केटबाल तथा 31 अगस्त को प्रातः 7 बजे से प्रातः 10 बजे तक प्रियम्बदा बिडला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में वॉक रेस का आयोजन किया जायेगा। इसके अलावा सभी विकासखण्डों में ब्लाक समन्वयकों द्वारा शिक्षा विभाग के सहयोग से खेल दिवस पखवाडा मनाया जायेगा। इस आयोजन में आयु का बंधन नहीं है। इस खेल में अध्ययनरत और गैर अध्ययनरत प्रतिभागी निर्धारित स्थान और तिथि पर पहुंचकर अपना पंजीयन कराकर आयोजन में भाग ले सकते है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।